

डूंडलोद में नवरात्र महोत्सव का शुभारंभ



निर्झर

डूंडलोद (नवयत्न)। कस्बे में नौ दिवसीय शारदीय नवरात्र महोत्सव का रविवार को शुभ मुहूर्त में श्रद्धा और उल्लास के साथ शुभारंभ हुआ। मनसा माता मंदिर में पंडित मनोज गोठवाल एवं पंडित मधुसूदन पाराशर के आचार्यत्व में मुकेश पारीक एवं लोकेश पारीक ने अखंड दीप प्रज्वलित कर माता की ज्योत ली। यजमान भंवरलाल कुमावत ने सपबौक श्रद्धालुओं के साथ माता की आरती की। इस अवसर पर मनसा माता दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सहाराम खटोड, राहुल देव कुमावत, संजय शर्मा, श्री चंद कुमावत एवं मुकेश कुमावत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता बहनें उपस्थित थीं। मनसा माता के दरबार में नौ दिन तक सुबह शाम आरती होगी तथा रात्रि में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हीबच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। रविवार को ही शुभ मुहूर्त में डूंडलोद कस्बे में रातिबन जी आश्रम, रघुनाथ जी के मंदिर, गोयनका धर्मशाला एवं कंवरपुरा बालाजी धाम में भी माता की भव्य आरती के साथ नौ दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर माता के दर्शन कर सामूहिक आरती में भाग लिया।

गांधी पार्क से स्वच्छता जनजागरण यात्रा शुरू

गांधी चौक पर दुकानदारों को स्वच्छता का संदेश दिया, नगर परिषद को ज्ञापन देगे



संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। शहर में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से महात्मा गांधी जीवन दर्शन संस्थान की ओर से स्वच्छता जनजागरण यात्रा शुरू की गई। यात्रा के पहले दिन संस्थान के पदाधिकारियों और शहर के प्रबुद्ध नागरिकों ने गांधी पार्क स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभियान का शुभारंभ किया। अभियान में रघुवीर कालेर एडवोकेट, पूर्व सभापति पवन पुजारी, एडवोकेट प्रदीप कुमार शर्मा, वस्त्र व्यवसायी सुनील महामिया, सीताराम कुमावत, एडवोकेट जयप्रकाश पुनिया, एडवोकेट दिलशाद फारुकी, बाबू भाई, आबिद भाई, जयप्रकाश पुजारी, अजय होमगार्ड सहित अन्य शहरवासी शामिल हुए। इसके बाद गांधी पार्क और रामलीला मैदान, गांधी चौक पर सांकेतिक सफाई कर मॉर्निंग वॉक पर आए लोगों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

शौचालय की गंदगी मुख्य नाली में छोड़ने का आरोप

अभियान के दौरान गांधी चौक स्थित नगर परिषद द्वारा संचालित सार्वजनिक शौचालय का भी निरीक्षण किया गया। संस्थान के पदाधिकारियों के अनुसार, निरीक्षण में सामने आया कि शौचालय की गंदगी शहर की मुख्य नाली में छोड़ी जा रही है। संस्थान ने नगर परिषद से मामले का तत्काल सज्ञान लेकर इस व्यवस्था को बंद करवाने की मांग की है। इस संबंध में महात्मा गांधी जीवन दर्शन संस्थान की ओर से नगर परिषद को अलग से ज्ञापन भी दिया जाएगा।

दुकानदारों को बाटे गांधीजी के विचारों के पंपलेट

यात्रा के दौरान गांधी चौक के आसपास खाद्य सामग्री विक्रेताओं, फूल विक्रेताओं और अन्य दुकानदारों को अपनी दुकानों के पास डस्टबिन रखने तथा आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। दुकानदारों को महात्मा गांधी के विचारों से संबंधित पंपलेट भी वितरित किए गए। दुकानदारों ने भी अपनी दुकानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने का आश्वासन दिया। कल इन क्षेत्रों में पहुंचेगी यात्रा अभियान के पहले दिन की गतिविधियों के बाद शामिल लोगों ने संतोष व्यक्त किया। संस्थान के सदस्यों और जागरूक नागरिकों की ओर से अगले दिन भी यात्रा जारी रखी जाएगी। इसके तहत सुबह 6 से 8 बजे तक मुरारका कॉलेज, स्काउट-गाइड मैदान, अग्रसेन भवन, कार्डिडिया रोड और मोदी रोड क्षेत्र में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा।

अग्रसेन महाराज की मुख्य

बाजारों से निकली शोभायात्रा



निर्झर

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में श्रीअग्रवाल सेवा समिति के तत्वावधान में महाराज अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष में चल रहे अग्र महोत्सव के अंतर्गत अग्रसेन महाराज की शोभायात्रा निकाली गई। इससे पूर्व अग्रसेन भवन में भगवान अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना व प्रसाद वितरण, भाईजी हनुमानप्रसाद पौदार व सूरजमल जालान की प्रतिमा पर समिति के अध्यक्ष राधेश्याम पांडुसरिया व महामंत्री श्यामसुंदर खेमका सहित समाज के लोगों ने माल्यार्पण किया। श्रीतालवाले बालाजी क्षेत्र में संचालित अन्न क्षेत्र में साधु-संतों व असहाय लोगों को भोजन एवं फल वितरित किए गए। इसके पश्चात भवन में रिंग डालो इनाम पाओ प्रतियोगिता एवं प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मीनूदेवी रामगढ़िया, पायल जालान, शिर्षका मुरारका, आरती खेतान, मनोषा सिंघानिया, जयश्री पांडुसरिया, मोनिका चौधरी वैशाली बूबना मंचस्थ अतिथि थी। आयोजन समिति के दीपक मुरारका, यश खेतान, नबीता सरावगी, हर्षित अग्रवाल, देव खेमका के संचालन में हुई प्रतियोगिता में समाज के करीब 150 लोगों को पुरस्कृत किया गया। सायं अग्रसेन भवन से शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें अग्रसेन महाराज, मां लक्ष्मी की झांकी भी सजाई गई। साथ ही अग्रवाल समाज के 18 गोत्र की प्रदर्शनी भी लगाई गई तथा दो लोग अश्व पर सवार होकर साथ चल रहे थे। शोभायात्रा का जगह-जगह विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारियों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

झुंझुनू में बेटियों के सपनों को मिले उड़ान के पंख, बालिका दिवस पर शिक्षा का संदेश

निर्झर

झुंझुनू (नवयत्न)। झुंझुनी-झोपड़ियों में रहने वाली बेटियों के चेहरों पर मुस्कान और उनके सपनों को नई उड़ान देने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर राजस्थान महिला कल्याण मंडल एवं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन जेआरसी ने सराहनीय पहल की। संस्था की टीम ने शहर के रीको क्षेत्र में जरूरतमंद परिवारों की बालिकाओं के बीच पहुंचकर उनके साथ केक काटा और बिस्कुट वितरित किए। इस दौरान खुशियों के साथ बेटियों की शिक्षा, अधिकारों और समान अवसरों का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में राजस्थान महिला



कल्याण मंडल की जिला कोऑर्डिनेटर चेतना शर्मा ने बालिकाओं को उनके कानूनी एवं बुनियादी अधिकारों की जानकारी

दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके भविष्य को संवारने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने

बालिकाओं को पढ़ाई जारी रखने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मुस्कान के साथ दिया समानता का संदेश

रीको क्षेत्र की झुंझुनी-झोपड़ियों में आयोजित इस कार्यक्रम ने बालिकाओं के साथ खुशियां साझा करने के साथ समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया कि हर बेटे सम्मान, शिक्षा और बेहतर भविष्य की हकदार है। संस्था की इस पहल को स्थानीय लोगों ने सराहना की।

बेटियों को भी मिले उच्च शिक्षा के समान अवसर

संस्था के प्रतिनिधियों ने बालिकाओं के अभिभावकों से संवाद कर बेटा-बेटी में भेदभाव नहीं करने और बेटियों को भी उच्च शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षा और प्रोत्साहन देकर ही उन्हें अपने सपनों पर खड़ा किया जा सकता है। आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण किसी भी बालिका की पढ़ाई बाधित नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम में चेतना शर्मा के साथ अदिति मीणा, विनोद कुमार और अनिल चौधरी ने भी भागीदारी निभाई। टीम ने बालिकाओं और उनके परिजनों को शिक्षा, समानता तथा अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

भक्ति ओर उत्साह के साथ शुरू हुआ नव दुर्गा महोत्सव



निर्झर

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में स्थानीय गोमती मौसूण कुएं के पास युवा मित्र मंडली के द्वारा आयोजित नव दुर्गा महोत्सव में माता जी के भक्तिमय जयकारों साथ घट और मां दुर्गा की मूर्ति की स्थापना पंडित शान्तनु वेदपाठी और गणेश शर्मा के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यजमान पवन कुमार मौसूण और भानु प्रकाश स्वामी ने प्राण प्रतिष्ठा के बाद आरती की। इस अवसर पर भानु प्रकाश स्वामी ने बताया कि प्रथम दिवस सैकड़ों श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन तथा शाम की आरती के बाद महिलाओं और बच्चों के लिए डांडिया कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर उज्ज्वल महर्षि, अजय शर्मा, रेखाराम महर्षि, पवन शर्मा, मनोज प्रजापत, श्याम सैनी, धर्मपाल सैनी, भागीरथ सैनी, पुरुषोत्तम प्रजापत, जितेंद्र महर्षि, अजय प्रजापत, अंकित शर्मा, संतोष कुमार, तेजकरन प्रजापत सहित दर्जनों कार्यकर्ता और भक्तजन उपस्थित थे।

जाखल में दुर्गा महोत्सव से पहले निकाली कलश यात्रा



निर्झर

बुगाला (नवयत्न)। मां दुर्गा सेवा महोत्सव के तहत रविवार को जाखल में कलश यात्रा निकाली गई। हनुमानगढ़ी बालाजी मंदिर से शुरू हुई कलश यात्रा मुख्य बाजार तक गाजे-बाजे के साथ पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पंडित मदन गोपाल शर्मा ने विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ घट स्थापना करवाई। नवरात्र के प्रथम दिन श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की। मां शैलपुत्री का वाहन वृषभ माना जाता है। श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। समिति अध्यक्ष शिंभू सिंह ने बताया कि दुर्गा महोत्सव का आयोजन 19 अक्टूबर तक किया जाएगा। इस दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे। आयोजन को लेकर समिति सदस्य व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।

एमसीएल-5 में माहेश्वरी स्टा र बनी चैंपियन

यूनिटी क्लब को 10 रन से हराया

निर्झर

नोखा (नवयत्न)। माहेश्वरी समाज की जिला स्तरीय नाइट बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता एमसीएल-5 के सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबले के.सी. मंडपम में खेले गए। रोमांचक फाइनल मुकाबले में माहेश्वरी स्टा र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए माहेश्वरी यूनिटी क्लब को 10 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। युवा संगठन अध्यक्ष केशव करवा ने बताया कि प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तरी राजस्थान माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष मनोहर सोनी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में श्रीदुर्गागढ़ नगरपालिका अध्यक्ष नारायण प्रसाद कालाणी एवं बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष संजय करनानी शामिल हुए। मनोहर सोनी ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन की सराहना करते हुए युवा संगठन के प्रयासों की प्रशंसा की और पूरी टीम को बधाई दी।

अशोक सिंघल के विचारों को आत्मसात कर समरस एवं संगठित समाज का निर्माण करें: आनंद कुमार

निर्झर

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में विश्व हिंदू परिषद द्वारा हिंदू हृदय सम्राट अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पंडित दीनदयाल उपाध्याय टाउन हॉल में सामाजिक समरसता संगोष्ठी का शुभारंभ भारत माता, रामदरबार और संत शिरोमणि रविदास के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री आनंद कुमार मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान संतोष तालगिया ने की। कार्यक्रम में परिषद के प्रान्त मंत्री राधेश्याम गौतम एवं मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में समाज सेवी जोधराज बैद, विनोद डग्गा, ललित कुमार आंचलिया, पालिकाध्यक्ष सुनील शर्मा, छत्रसिंह हीरावत, मोतीलाल तातेड़, सुगनचंद मंडार, सांवरमल भूण, बदीप्रसाद बणसिया, पुष्पा शर्मा एवं जिलाध्यक्ष सुभाष पारीक मंचासीन रहे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता आनंद कुमार ने कहा कि सामाजिक समरसता



सशक्त एवं संगठित समाज की आधारशिला है। समाज में आपसी विश्वास, स्नेह, सम्मान और सहयोग की भावना मजबूत करना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। श्रद्धेय अशोक सिंघल के जीवन से प्रेरणा लेकर सेवा, संस्कार और सामाजिक एकता के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने कहा कि सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक चेतना समय की आवश्यकता है। प्रांत मंत्री राधेश्याम गौतम ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति को आत्मा मंदिरों में निवास करती है। हमें सांस्कृतिक न्याय माली, मणिराम पंवार, काशीप्रसाद सराफ, ओम प्रकाश गाड़गिल फौजी साहब,

धनराज सुथार, रोहित सैनी, देवकिशन सुथार, मुरारीलाल पारीक, मोहनलाल गाड़गिल, रामावतार पारीक, राहुल व्यास, भंवरलाल स्वामी, करणी सिंह राजियासर, अजय गांगी, सरिता प्रजापत, अनिल लाटा, श्याम सुंदर भोजक आदि का सम्मान किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में पूर्व प्रधान संतोष तालगिया ने परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित परिषद के कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, मातृशक्ति, युवाओं एवं नगर के गोमनाथ नगरिकों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन विभाग मंत्री गजानंद दाधीच ने किया।

काँपर में दुर्गा पुजा महोत्सवा का हुआ शुभारंभ, घर-घर हुई घट स्थापना

निर्झर

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी टाउनशिप में रविवार को कई स्थानों पर नौ दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ हुआ वही घर-घर में घट स्थापना की गई। थर्ड सेक्टर स्थित हनुमान मंदिर में श्री बालाजी सेवा समिति के तत्वाधान में नौ दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ गौतम शाह, पूजा शाह की मुख्य यजमानी में पंडित जितेंद्र शर्मा ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना करवा कर मां दुर्गा की प्रतिमा व घट स्थापना करवाई। सुभाष शर्मा ने बताया कि दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह सवा दस



बजे व शाम सवा सात बजे आरती होगी। उन्होंने बताया कि 17 अक्टूबर शनिवार सुबह सवा नौ बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी, 17 व 18 अक्टूबर को देर शाम को आरती के पश्चात डांडिया नृत्य का आयोजन होगा। 19 अक्टूबर सोमवार शाम पांच

बजे मूर्ति विसर्जन के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव का समापन होगा। इसी प्रकार फस्ट बी सेक्टर के खेल मैदान में एवं थर्ड सेक्टर स्थित आधारशिला कॉलोनी में भी दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर समिति अध्यक्ष महेश सिंघानिया,

अपना घर आश्रम में श्रीराम कथा का शुभारंभ, 600 प्रभुजनों ने किया कथा श्रवण

निर्झर

नोखा (नवयत्न)। अपना घर आश्रम, नोखा में रविवार को नौ दिवसीय श्रीराम कथा का भक्तिमय शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिन भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव और उनके दिव्य अवतरण की कथा सुनकर आश्रम में निवासरत प्रभुजन एवं श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस अवसर पर लगभग 600 प्रभुजनों एवं श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण किया। कथा प्रतिदिन दोपहर 12 से 3 बजे तक आयोजित की जा रही है। कथावाचक शास्त्री मनोज कुमार भवानी एवं श्रीलाल बैरागी ने भगवान श्रीराम के जन्म, उनकी बाल लीलाओं तथा जीवन के आदर्शों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि जब पृथ्वी पर अधर्म और अत्याचार बढ़ने लगे, तब धर्म की स्थापना और मानवता के कल्याण के लिए भगवान विष्णु ने अयोध्या में राजा दशरथ एवं माता कौशल्या के पुत्र के रूप में श्रीराम के रूप में अवतार लिया। कथा के दौरान भए प्रगट कृपाला दीनदयाला, कौसल्या



श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान

कथावाचकों ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, त्याग, मर्यादा, करुणा और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने पुत्र, भाई, मित्र और राजा के रूप में आदर्श प्रस्तुत किए। वर्तमान समय में उनके आदर्शों को अपनाकर परिवार में प्रेम, समाज में सद्भाव और जरूरतमंदों के प्रति सेवा एवं करुणा की भावना को मजबूत किया जा सकता है। आश्रम में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम का उद्देश्य प्रभुजनों के जीवन में आध्यात्मिक आनंद, सकारात्मकता और भक्ति का संचार करना है। सेवा एवं श्रद्धा से ओतप्रोत वातावरण में उपस्थित लोगों ने भक्तिभाव के साथ श्रीराम कथा का आनंद लिया। अपना घर आश्रम के सतीश झंवर ने बताया कि श्रीराम कथा 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। आगामी दिनों में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों और उनकी शिक्षाओं का वर्णन किया जाएगा।

हितकारी चौपाई के माध्यम से प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव का मनोहारी वर्णन किया गया। भगवान श्रीराम के प्राकट्य से अयोध्या में छाप

आनंद और मंगल के प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। आश्रम परिसर श्रीराम के जयकारों से गुंज उठा।

क्षेत्र की सभी जिला परिषद एवं पंचायत समिति सीटों पर चुनाव लड़ेगी सीपीएम



निर्झर

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ क्षेत्र में आगामी पंचायतीराज चुनाव 2026 को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी ने अपनी चुनावी तैयारियों को लेकर किसान मजदूर भवन में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक कांलग्राम नाई की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिला सचिव कॉमरेड छानलाल चौधरी ने पर्यवेक्षण किया। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों कॉमरेड भादर भागु, बिरजुराम खीचड़, महेंद्र बरोड़ एवं गोपीचंद खीचड़ ने कहा कि किसान-मजदूरों के हक और अधिकारों के लिए सीपीएम लगातार जमीनी स्तर पर संघर्ष करती रही है। आमजन, किसानों, मजदूरों और ग्रामीण क्षेत्र की

समस्याओं को प्रमुखता से उठाना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि आगामी पंचायतीराज चुनाव 2026 में सीपीएम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी जिला परिषद सीटों एवं पंचायत समितियों की सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी चुनाव के माध्यम से जनसमस्याओं, किसान-मजदूरों के अधिकारों और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों को जनता के बीच लेकर जाएगी। बैठक में आगामी चुनावों की तैयारियों, संगठन को मजबूत करने तथा जनसंपर्क बढ़ाने को लेकर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर श्रवण बारपाल, विजयपाल कड़वासरा, सांवरमल, रामूराम कर्वानिया, ललित सिंह, मुकेश सिंह एवं ताराचंद मेघवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।



निखरने लगा है रावण कुंभकरण व मेघनाथ का स्वरूप



निर्स

रिंगस (नवयत्न)। रिंगस कस्बे के दशरहा महोत्सव की तैयारिया जोर शोर से अंतिम चरणों में चल रही हैं। रावण कुंभकरण व मेघनाथ का विराट व भव्य स्वरूप अब निखरने लगा है। युवा विकास मंच के सदस्य इसे आकार देने में जुटे हैं। अध्यक्ष आर्यन पारीक ने बताया कि इस बार रावण के पुतलो को विशेष रूप से डिजाईन किया गया है। इसके लिए डिजाईनरो से रावण, कुंभकर व मेघनाथ के पुतलो की सुन्दर डिजाईने ली गई है। पुतलों को निखारने के लिए मंच के सदस्य दिन रात जुटे हैं। मुकेश बागडा व रमेश कुमावत ने बताया कि रावण कुंभकरण व मेघनाथ के पुतलों को भयानकृता व आकर्षक के साथ सुन्दरता से निखारा जा रहा है। आकर्षक विद्युत रोशनी से नजारा कुछ ऐसा रहेगा कि लोगो को इन पुतलो की भव्यता दूर से ही दिखाई देगी। पुतलों में लाइटों से कुछ ऐसी रोशनी की जायेगी की पुतले भयानकता व सुन्दरता से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। रावण कुंभकरण व मेघनाथ के सिर तैयार हो गये हैं। ये दूर से ही लोगो को अपनी ओर आकर्षित कर रहे है। मुकेश बागडा व रमेश कुमावत पिछले 13 सालो से निशुल्क अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

कबाड़ गोदाम में भीषण आग तीन घंटे में पाया काबू

निर्स

जयपुर (नवयत्न)। शास्त्री नगर की पेंटर कॉलोनी में शनिवार देर रात कबाड़ के एक गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में दहशत फैल गई। आग की लपटें और धुआं उठता देखकर स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची शास्त्री नगर थाना पुलिस ने दमकल की दो गाड़ियों की मदद से करीब तीन घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार शनिवार रात करीब 12 बजे बंद कबाड़ गोदाम से धुआं उठने लगा। कुछ ही देर में धुएं के साथ आग की ऊंची लपटें दिखाई देने लगीं। आग की भयावहता देखकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास भी कियाए लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बनीपार्क अग्निशमन केंद्र से दमकल की गाड़ियां बुलवाईं। दमकल कर्मियों ने करीब तीन घंटे तक प्रयास कर आग बुझाई। हालांकि, तब तक गोदाम में रखा कबाड़ पूरी तरह जलकर खाक हो गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का आगाज, भक्ति में सराबोर हुआ दांता



निर्स

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। दांता कस्बे के श्री उदय गोपाल मंदिर में रविवार को कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा खेड़ापति बालाजी मंदिर से रवाना होकर कथा स्थल पहुंची। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं ने यात्रा का स्वागत किया। कथा स्थल पर अयोध्या धाम के अवध बिहारी कुंज के महामंडलेश्वर डॉ गोपेशदास महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा का वाचन किया। प्रथम दिवस की कथा में भागवत महापुराण के महात्म्य और भगवान की भक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला गया। महाराज ने श्रद्धालुओं को धर्म के मार्ग पर चलने, सत्कर्म करने और ईश्वर के प्रति श्रद्धा बनाए रखने का संदेश दिया। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव से सराबोर नजर आए। कथा प्रतिदिन दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक होगी। धार्मिक आयोजन 17 अक्टूबर तक चलेगा। आयोजन वैद्य परिवार के नटवरलाल शर्मा और नागरमल शर्मा की ओर से करवाया जा रहा है। इस अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सूर्य विहार में कलश यात्रा से दुर्गा पूजा का शुभारंभ

हर्ष सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। शहर की सूर्य विहार कॉलोनी स्थित वार्ड नंबर 45 में श्री दुर्गा पूजा समिति की ओर से रविवार को दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर शिव हनुमान मंदिरए सूर्य विहार से दुर्गा पूजा पंडाल तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में कॉलोनी की महिलाओं, बच्चों और गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कलश यात्रा के दौरान महिलाएं और बच्चे डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए आगे बढ़े। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने महिलाओं और बच्चों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पूरे मार्ग में भक्तिमय माहौल रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कलश यात्रा के दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचने के बाद विधि-विधान से दुर्गा पूजा और आरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पूजा-अर्चना पंडा हनुमान प्रसाद सहल छावसरी ने संपन्न करवाई। महोत्सव के प्रथम दिवस के मुख्य यजमान संदीप सोनी जाखड़ सपनीक रहे। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर श्री दुर्गा पूजा समिति की ओर से उपस्थित श्रद्धालुओं समेत गणमान्य लोगों का स्वागत और अभिनंदन किया गया। आयोजन में कॉलोनीवासियों की सक्रिय भागीदारी से धार्मिक उत्सव का माहौल बना रहा।



शपथ ली, श्रमदान किया, फोटो खिंचवाए ...फिर गांधी को भूले जिम्मेदार!

खुले नाले में बह रहा शौचालय के गटर का गंदा पानी, जिम्मेदारों की कार्यशैली पर उठे सवाल

कासं

झुंझुनूं (नवयत्न)। शपथ ली, श्रमदान किया, स्वच्छता का संदेश दिया और बड़े-बड़े दावे किए, लेकिन कुछ ही दिनों बाद सब कुछ भुला दिया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर 2 अक्टूबर को शहर के गांधी उद्यान में आयोजित कार्यक्रम के बाद अब वहां की स्थिति स्वच्छता के दावों की हकीकत बयां कर रही है। जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और नगर परिषद आयुक्त की मौजूदगी में हुए आयोजन में स्वच्छता के संकल्प लिए गए, लेकिन गांधी के नाम से जुड़े इस प्रमुख स्थल पर आज भी सफाई व्यवस्था सवालों के घेरे में है। विडंबना देखिए कि जिस स्थान पर गांधी जयंती के अवसर पर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया था, उसी गांधी पार्क में कुछ ही दिनों बाद गंदगी नजर आ रही है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या स्वच्छता का संकल्प केवल विशेष दिवसों पर आयोजन करने, शपथ दिलाने और तस्वीरें खिंचवाने तक ही सीमित रह गया है ? यदि ऐसा नहीं है तो फिर जमीनी स्तर पर इसका असर क्यों दिखाई नहीं दे रहा?

रविवार को जन जागरूकता के उद्देश्य से शुरू की गई संस्था की यात्रा के दौरान गांधी पार्क में स्वच्छता व्यवस्था की हकीकत सामने आई। संस्था की यह यात्रा शहर के सभी वार्डों में भ्रमण कर आमजन को जागरूक करेगी। साथ ही, शहर की समस्याओं से प्रशासन को समय-समय पर अवगत कराकर उनके समाधान के लिए प्रयास करेगी। इसी कड़ी में जब यात्रा के कार्यक्रमों जिला मुख्यालय के हृदय स्थल कहे जाने वाले गांधी पार्क पहुंचे तो वहां की स्थिति देखकर उन्होंने स्वयं सफाई का जिम्मा संभाला। कार्यक्रमतों ने अपने हाथों से साफ-सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया और लोगों को सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। उन्होंने दुकानदारों और आमजन को भी समझाइश कर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

गटर का गंदा पानी खुले नाले में प्रवाहित

गांधी पार्क में स्वच्छता की स्थिति के बीच एक गंभीर समस्या सार्वजनिक शौचालय की निकासी व्यवस्था को लेकर भी सामने आई। यहां बने सार्वजनिक शौचालय के लैट्रिन-बाथरूम का गंदा पानी सीधे खुले नाले में प्रवाहित हो रहा है। जिला मुख्यालय

के प्रमुख स्थल पर इस तरह की व्यवस्था स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिहाज से चिंता का विषय है। एक ओर देश में घर-घर शौचालय और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर जिला मुख्यालय के हृदय स्थल पर सार्वजनिक शौचालय का गंदा पानी खुले नाले में बहना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। आखिर इस निकासी व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी है ? क्या संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है, या जानकारी होने के बावजूद समस्या के समाधान की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे ?

गांधी जी के संदेश व्यवहार में कब ?

महात्मा गांधी ने स्वच्छता को जीवन और समाज के लिए महत्वपूर्ण माना था। उनकी जयंती पर स्वच्छता की शपथ लेना तभी सार्थक है, जब उसका असर धरातल पर भी दिखाई दे। केवल एक दिन सफाई अभियान चलाकर और संकल्प लेकर जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। वास्तविक परीक्षा उसके बाद शुरू होती है, जब नियमित सफाई, कचरे का उचित निस्तारण और सार्वजनिक सुविधाओं का रखरखाव सुनिश्चित किया जाता है। जन जागरूकता यात्रा के कार्यक्रमतों ने स्वयं सफाई कर

नागरिक जिम्मेदारी का संदेश दिया है, लेकिन स्थायी सफाई व्यवस्था बनाए रखना नगर परिषद और संबंधित जिम्मेदारों का दायित्व है। गांधी पार्क जैसे प्रमुख स्थल की नियमित सफाई और सार्वजनिक शौचालय की निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करना आवश्यक है।

सवाल : अगली गांधी जयंती तक इंतजार क्यों ?

गांधी जयंती पर लिए गए संकल्पों के कुछ ही दिनों बाद यदि उसी स्थान पर गंदगी और खुले नाले में गंदा पानी बहने की स्थिति बनी हुई है, तो यह केवल सफाई व्यवस्था की कमी नहीं, बल्कि जवाबदेही पर भी सवाल है। क्या नगर परिषद इस समस्या का स्थायी समाधान करेगी ? क्या सार्वजनिक शौचालय की निकासी व्यवस्था को दुरुस्त कर नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएगी ? जन जागरूकता यात्रा का उद्देश्य आमजन को जागरूक करने के साथ प्रशासन को समस्याओं से अवगत कराकर समाधान की दिशा में प्रयास करना है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस पहल से सबक लेकर व्यवस्था सुधारते हैं या फिर गांधी पार्क की तस्वीर बदलने के लिए अगले विशेष दिवस का इंतजार किया जाएगा।

स्किनएवा विलनिक में अत्याधुनिक लेजर तकनीक शुरू अनचाहे बालों से छुटकारे के लिए मिलेंगे तीन विकल्प

निर्स

जयपुर (नवयत्न)। त्वचा एवं सौंदर्य उपचार के क्षेत्र में स्किनएवा क्लिनिक ने अत्याधुनिक कैन्डेला जेंटलयेग प्रो लेजर तकनीक की शुरुआत की है। इसके साथ ही क्लिनिक में अनचाहे बालों की हटाने के लिए तीन प्रमुख तकनीकों की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इनमें कैन्डेला जेंटलयेग प्रोए ल्यूमेनिस लाइटशियर डिजायर और अल्ट्रा सोप्राનો टाइटेनियम शामिल हैं। डॉ. सुनील कोठीवाला एमडी एमएस के नेतृत्व में संचालित स्किनएवा क्लिनिक पिछले 10 वर्षों से जयपुर और राजस्थान के लोगों को लेजर तकनीक से अनचाहे बालों को कम करने सहित त्वचा संबंधी आधुनिक उपचार उपलब्ध करा रहा है। डॉ. कोठीवाला को त्वचा एवं सौंदर्य चिकित्सा के क्षेत्र में लगभग 13 वर्षों का अनुभव है। क्लिनिक के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति की त्वचा, बालों की मोटाई, रंग और हार्मोन संबंधी स्थिति अलग होती है। ऐसे में सभी लोगों के लिए एक ही लेजर तकनीक समान रूप से उपयुक्त नहीं होती। ल्यूमेनिस लाइटशियर डिजायर डायोड लेजर तकनीक पर आधारित है, जबकि अल्ट्रा सोप्रानो टाइटेनियम में 755, 810 और 1064 नैनोमीटर तरंगदैर्घ्य वाली तीन तकनीकों का संयोजन उपलब्ध है। वहीं, कैन्डेला जेंटलयेग प्रो की 1064 नैनोमीटर तरंगदैर्घ्य वाली दीर्घ स्पंदित एनडीरूयैग लेजर



तकनीक कुछ विशेष परिस्थितियों में, विशेषकर गहरे रंग की त्वचा वाले लोगों के लिए, उपयोगी विकल्प हो सकती है। तीनों तकनीकों की उपलब्धता से व्यक्ति की त्वचा, बालों की प्रकृति और चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार उपचार का चयन करने के अधिक विकल्प मिलेंगे। स्किनएवा क्लिनिक में प्रत्येक व्यक्ति की जरूरत के अनुसार उपचार योजना तैयार करने और अनावश्यक सत्रों से बचने पर जोर दिया जाता है। क्लिनिक के अनुसार, कुछ लोगों को शुरुआती उपचार सत्र के बाद ही बालों की वृद्धि में कमी दिखाई दे सकती है। हालांकिए परिणाम त्वचा, बालों, हार्मोन संबंधी स्थिति और उपचार के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। प्रभावी परिणाम के लिए कई उपचार सत्रों की आवश्यकता हो सकती है। कुछ मामलों में समय-समय पर दोबारा उपचार भी कराना पड़ सकता है। डॉ. सुनील कोठीवाला ने कहा कि आधुनिक मशीनों के साथ सही मरीज का चयन, उपयुक्त तकनीक और उपचार के उचित मानकों का निर्धारण भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि क्लिनिक का उद्देश्य जयपुर और राजस्थान के लोगों को आधुनिक लेजर तकनीक उचित कीमत पर उपलब्ध कराना तथा उनकी जरूरत के अनुसार व्यक्तिगत उपचार योजना तैयार करना है। स्किनएवा क्लिनिक की शाखाएं वैशाली नगर, मालवीय नगर और मानसरोवर में स्थित हैं। यहां त्वचा संबंधी उपचार, लेजर से अनचाहे बालों को कम करनेए बालों के उपचार और सौंदर्य संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की सुविधाएं उपलब्ध हैं। नई कैन्डेला जेंटलयेग प्रो तकनीक के जुड़ने से क्लिनिक में अनचाहे बालों को कम करने के लिए उपलब्ध उपचार विकल्पों का विस्तार हुआ है।

सिलावट समाज का चौथा सामुहिक विवाह सम्मेलन 25 को, 33 जोड़े बनेंगे हमसफर



निर्स

बीदासर (नवयत्न)। मेड़तियान सिलावट समाज का बीदासर की सरजमाँ पर चौथा सामुहिक विवाह सम्मेलन आगामी 25 अक्टूबर 2026 को आयोजित होगा। जिसको लेकर शनिवार देरशाम सिलावट समाज भवन में पैगाम-ए-शादी का दावतनामा देने को लेकर कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की सदस्यर समाज के वरिष्ठ रहीमबक्स भुट्टा ने की। कार्यक्रम में दुल्हा-दुल्हन पक्ष को सामुहिक रूप से शादी का दावतनामा दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेड़तियान सिलावट समाज संस्थान के अध्यक्ष सलीम बलखी ने कहा कि समाज में बढ़ती बुराईयों, फिजूलखर्ची और सामाजिक कु्रितियों की रोकथाम को लेकर विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

बलखी ने समाज के लोगों को सम्मेलन में कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करने की अपील की। संस्थान सचिव अब्दुल वाहिद मुगल ने बताया कि सम्मेलन में बीदासर, लाडरूं, बीकानेर, बासनी, श्रीदुर्गराढ़ आदि शहरों से सिलावट समाज के 33 दुल्हा-दुल्हनों की शादी होगी। कार्यक्रम में संस्था उपाध्यक्ष रहीमबक्स सोलंकी, कोषाध्यक्ष सलीम भुट्टा, हाजी बिलाल भुट्टा, मोहम्मद जान मुगल, हाजी सादिक सोलंकी, गुलामरसूल बलखी, मोहम्मद रफीक मुगल, गफूर हंसोरिया, निवाज बागोट, युनुस खिलजी, शोकत कानूनीया, अब्दुल हमीद भुट्टा, फारूख बलखी, रफीक भुट्टा, जब्बार, मौलाना फजलूद्दीन, एडवोकेट वसीम कानूनीया, जुबैर बलखी, गुलजार सोलंकी, मोहम्मद अली बागोट, आरिफ सोलंकी, अकरम बलखी, यासीन भुट्टा, खलील बागोट, जावेद भुट्टा, युसूफ भुट्टा, प्यार मोहम्मद सोलंकी, इस्माइल सोलंकी, युसूफ बलखी, मनवर मुगल, सदाम बलखी सहित समाज के सैकड़ों लोगों ने शिरकत की।



सम्पादकीय

पश्चिम एशिया संकट : हमलों में 16 भारतीय नाविकों की मौत, भारत कब तय करेगा जवाबदेही?

पश्चिम एशिया और फारस की खाड़ी में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने के साथ-साथ अब मानवीय संकट भी बढ़ता जा रहा है। समुद्री मार्गों में अपना प्रभाव मजबूत करने के लिए संघर्षरत पक्षों की ओर से भारत समेत अन्य देशों के नागरिकों को भी निशाना बनाया जा रहा है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, फारस की खाड़ी और काला सागर में हमलों के दौरान अब तक सोलह भारतीय नाविकों की जान जा चुकी है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या किसी युद्ध में आम नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सीधा उल्लंघन नहीं है? क्या इन हमलों के लिए वैश्विक स्तर पर संबंधित पक्षों की जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए? दूसरी ओर, भारत के शासन की भी जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। बिना किसी उकसावे के हो रहे इन हमलों में भारतीयों की मौत पर महज औपचारिक चिंता व्यक्त करने के बजाय भारत को ऐसी घटनाओं के खिलाफ कड़ा प्रतिरोध दर्ज करना चाहिए।

इसमें दोराय नहीं कि पश्चिम एशिया भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। फारस की खाड़ी के देशों में काम करने वाले भारतीय देश की अर्थव्यवस्था में भी अहम योगदान देते हैं। विदेश से भेजी जाने वाली उनकी कमाई देश के लिए विदेशी मुद्रा का एक बड़ा स्रोत है। इसलिए इस क्षेत्र में संघर्ष और अस्थिरता का सीधा असर भारत के नागरिकों की सुरक्षा और आर्थिक हितों पर पड़ना स्वाभाविक है।

सरकार का दावा है कि होर्मुज जलमार्ग क्षेत्र से अब तक चार हजार से अधिक भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापस लाया गया है। अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से इस जलमार्ग और फारस की खाड़ी के कुछ हिस्सों में जहाजों पर हमले लगातार बढ़े हैं। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार, युद्ध में शामिल पक्षों के लिए सैनिकों और आम नागरिकों के बीच अंतर करना अनिवार्य है।

किसी तीसरे देश के नागरिकों को निशाना बनाना भी नियमों के खिलाफ है। ऐसे में भारत को अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन हमलों की जांच और जवाबदेही की मांग उठानी चाहिए।



स्वास्थ्य समाचार

आयरन की कमी के इन छिपे हुए संकेतों को न करें नजरअंदाज

आयरन की कमी से शरीर में खून की कमी हो जाती है। पर ये सिर्फ आयरन की कमी का एक लक्षण नहीं है बल्कि, आयरन की कमी के शरीर में कई अन्य लक्षण भी होते हैं। दरअसल, आयरन की कमी के कई स्टेज हैं और हर स्टेज में शरीर में अलग-अलग लक्षण नजर आते हैं। हालांकि इनमें शुरूआती स्टेज के लक्षणों को पहचानना थोड़ा मुश्किल होता है और ये लक्षण आखिरी स्टेज तक आते-आते पूरी तरह से उभर आते हैं।

फेरिटिन की कमी : आपने कई बार फेरिटिन टेस्ट के बारे में सुना होगा। दरअसल, इस टेस्ट के जरिए हम पता लगाते हैं कि हमारे शरीर में आयरन कितना है और इसी टेस्ट से हम एनीमिया का पता लगाते हैं। दरअसल, फेरिटिन एक रक्त प्रोटीन है जिसमें आयरन होता है। जब शरीर में फेरिटिन की कमी होने लगती है तो, माना जाने लगता है कि शरीर में आयरन की कमी हो रही है। ये आयरन की कमी का शुरूआती संकेत है। ये एक तरह से लोहा का भंडारण के रूप में है और लो फेरिटिन लेवल इस बात का पहला संकेत है कि शरीर के लोहे के स्टोरेज में कमी आ रही है। इसके विभिन्न लक्षणों को आप महसूस कर सकते हैं। हालांकि, इस चरण के भीतर, कमी की अलग-अलग डिग्री हो सकती है।



आमतौर पर, एथलेटिक प्रदर्शन में कमी तब स्पष्ट नहीं होती है जब लिबर में लोहे के भंडार कम होते हैं, लेकिन यह तब हो सकता है जब हड्डियों की मांसपेशी या अन्य ऊतकों में लोहे के भंडार समाप्त हो जाते हैं। ऐसे में अगर आपको संदेह है कि आपमें आयरन की कमी हो गई है, तो अपने डॉक्टर को दिखाएं आपके सीरम ट्रांसफरिन रिसेटर्स के साथ-साथ सीरम फेरिटिन की सांद्रता को भी चेक किया जाएगा। हालांकि, ध्यान रखें कि सीरम फेरिटिन अक्सर एथलीटों में ज्यादा होता है और एथलीटों में शरीर में इसकी कमी अच्छा नहीं है।

आयरन की हल्की कमी : आयरन की कमी के दूसरे चरण के दौरान, आयरन के मूवमेंट में कमी आ

जाती है। इसे ट्रांसफरिन के रूप में जाना जाता है, जो कम हो जाता है। दरअसल, ट्रांसफरिन एक प्रोटीन है जो खून में आयरन को अपने अंदर रखता है। यह अक्सर रेड ब्लड सेल्स में कमी के साथ होता है, भले ही हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य रहता है। यह चरण तब होता है जब आयरन की आपूर्ति रेड ब्लड सेल्स के निर्माण का समर्थन करने के लिए अपर्याप्त होती है। जिक को प्रोटोपोफिरिन नामक ब्लडमार्कर का स्तर इस चरण का संकेत दे सकता है। दरअसल, जब आयरन आपसानी से उपलब्ध नहीं होता है, तो इसके स्थान पर जिक का उपयोग किया जाता है, जिससे जिक प्रोटोपोफिरिन का उत्पादन होता है। आयरन की कमी के इस स्टेज में इलाज के लिए, आपको

छोटी और पीली ब्लड सेल्स

आयरन की कमी को खून में माइक्रोसाइटिक हाइपोक्रोमिक (छोटी और पीली) लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) की उपस्थिति के जरिए समझा जा सकता है। हालांकि, कुछ मामलों में आरबीसी नॉर्मोसाइटिक नॉर्मोक्रोमिक सामान्य दिखने वाले हो सकते हैं। दूसरी ओर, माइक्रोसाइटिक हाइपोक्रोमिक आरबीसी एनीमिया के अन्य रूपों जैसे बीटा थैलेसीमिया में मौजूद हो सकता है, जो एक विरासत में मिला गुण है।

सिरदर्द और चक्कर आना

सिरदर्द और चक्कर आना आयरन की कमी का छिपा हुआ संकेत हो सकता है। हीमोग्लोबिन की कमी का मतलब यह हो सकता है कि पर्याप्त ऑक्सीजन मस्तिष्क तक नहीं पहुंच पाती है, जिससे संभवतः इसकी रक्त वाहिकाओं में सूजन आ जाती है और दबाव बन जाता है। इसलिए यू ही अगर आपको सिरदर्द और चक्कर आ रहे हो तो डॉक्टर को दिखाएं।

चिकित्सक आपके ट्रांसफरिन टेस्ट करवा सकता है। यह टेस्ट में अगर प्रोटीन के 15 प्रतिशत से कम में आयरन होता है। तो ये आयरन की कमी को इंगित करता है।

एनीमिया : ज्यादातर लोगों में एनीमिया का पता चल जाता है। इस दौरान हीमोग्लोबिन अंतिम चरण में गिरना शुरू हो जाता है, जिसे अन्य रक्त कार्य के आधार पर औपचारिक रूप से परिभाषित किया जा सकता है। इस स्तर पर आपकी लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या कम होती है, छोटी होती है और उनमें कम हीमोग्लोबिन होता है। इस अंतिम चरण में, हीमोग्लोबिन का कंस्ट्रेशन प्रभावित होने लगती है और

सामान्य सीमा से नीचे चली जाती है। ये आमतौर पर महिलाओं के लिए 12 से 15 ग्राम प्रति डेसीलीटर और पुरुषों के लिए 14 से 16.5 ग्राम प्रति डेसीलीटर होती है। हालांकि, अधिक ऊंचाई पर रहने वाले एथलीटों के लिए सामान्य सीमा थोड़ी अधिक होगी। इसी दौरान आपको आयरन की कमी के कई छिपे हुए संकेत नजर आ सकते हैं।

जीभ का पीला पड़ जाना : एनीमिया होने पर अक्सर लोग आंखों का पीला या चेहरे के पीलेपन की बात करते हैं पर कोई जीभ के पीलेपन की बात नहीं करता। एनीमिया के एक संकेत के रूप में अक्सर लोग त्वचा के पीलापन पर ज्यादा जोर देते हैं। पर

गहरे रंग के लोगों में, पीलापन की पहचान करना मुश्किल हो सकता है। तो एनीमिया का एक अधिक विशिष्ट संकेत पीली जीभ और इससे भी अधिक विशेष रूप से पीली आंखें। इस तरह आप गोरे लोगों में भी आयरन की कमी की पहचान कर सकते हैं।

खराब नाखून : पीलापन एनीमिया का संकेत है लेकिन आयरन की कमी के लिए विशिष्ट संकेत नहीं है। आयरन की कमी का एक अधिक विश्वसनीय संकेत सपाट या फिर खराब- भंगुर नाखून है।

सांस लेने में तकलीफ : सांस लेने में तकलीफ आयरन की कमी का एक लक्षण है। ऐसा इसलिए कि कम हीमोग्लोबिन के स्तर का मतलब है कि शरीर ऑक्सीजन को मांसपेशियों और ऊतकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सक्षम नहीं है।

आराम करते समय पैरों का हिलाना : आयरन की कमी से होने वाले लोगों में रेस्टलेस लेग सिंड्रोम होने की संभावना अधिक होती है। ऐसे लोग आपको आराम करते समय भी पैरों को हिलाने हुए नजर आ जाएंगे।

डिप्रेस्ड महसूस करना : आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया वयस्कों में अवसाद से जुड़ा हो सकता है। ऐसे लोग हमेशा दुखी रहते हैं और डिप्रेस्ड के लक्षणों को महसूस करते हैं।

दही, हल्दी और शहद

डार्क सर्कल से राहत दिलाने में दही, हल्दी और शहद से तैयार यह फेस पैक आपके लिए काफी असरकारी हो सकता है। इससे आंखों के आसपास होने वाले सूजन से आप राहत पा सकते हैं। यह आपकी स्किन को नैचुरल रूप से हील करने में मददगार होता है। इस पैक को तैयार करने के लिए एक कटोरी में 1 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच दही मिस्र करें। जब मिश्रण तैयार हो जाए, तो इसे करीब 15 से 20 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगाएं। बाद में अपना चेहरा ठंडे पानी से साफ कर लें।

विशेष आलेख

मिसाल कायम करने वाले मोदी



प्रधानमंत्री मोदी की ओर से देश सेवा के 25 वर्ष पूरे करना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है। पहले गुजरात और फिर देश को प्रभावी नेतृत्व प्रदान करना न केवल भारत, बल्कि विश्व के लोकतांत्रिक देशों के लिए भी एक मिसाल है। विश्व में शायद ही कोई ऐसा नेता हो, जो एक सामान्य कार्यकर्ता से पहले अपने राज्य और फिर देश का मुखिया बना हो और उसने शासन के निरंतर 25 वर्ष सफलता के साथ पूरे किए हों।

गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के पहले मोदी भाजपा संगठन में राष्ट्रीय महामंत्री थे। उनका जन्म एक साधारण परिवार में हुआ। युवावस्था में वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े और फिर भाजपा में सक्रिय हुए। तत्प्लिन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने गुजरात में भाजपा सरकार की कमजोर स्थिति को देखते हुए उन्हें वहां का मुख्यमंत्री बनाया।

जिस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तब चुनौतियों का अंबार उनका इंतजार कर रहा था। इसी बीच, गोधरा में हिंदुओं की निर्मम हत्या के बाद भड़के दंगों के बाद एक सुनियोजित नरैटिव के जरिये मोदी को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया गया। अमेरिका में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध तक लगा दिया गया। कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रण सरकार ने उन्हें घेरने की भरसक कोशिश की। गुजरात दंगों की जांच के लिए एसआइटी भी बनी, लेकिन मोदी बेदाग होकर निकले। मोदी ने गुजरात में विकास को ऐसी गंगा बहाई कि उनके सत्ता में आने के बाद से भाजपा वहां कोई चुनाव नहीं हारी और कांग्रेस निरंतर हाशिए पर जाती गई। उनका गुजरात माडल देश में एक मिसाल बनता गया। यही कारण रहा कि दिल्ली में भाजपा के कई दिग्गज राष्ट्रीय नेताओं के बावजूद पार्टी ने 2014 के लोकसभा चुनावों में मोदी पर ही दांव लगाया। उसके बाद से जो घटा, वह इतिहास का हिस्सा बन चुका है।

मोदी की लोकप्रियता के चलते भाजपा 2014 में अपने बलबूते पर सरकार बनाने में सफल रही। तब केंद्रीय शासन का कोई अनुभव न रखते हुए एी प्रधानमंत्री मोदी ने देश की तस्वीर बदलने का जो काम शुरू किया, वह आज तक जारी है और इसी कारण

उनकी गिनती विश्व के प्रमुख और लोकप्रिय नेताओं में होती है। आज विश्व पटल पर भारत की जो धाक है, वह मोदी के कारण ही है। पहले दुनिया भारत और पाकिस्तान को एक ही चश्मे से देखती थी, लेकिन अब यह स्थिति बदल चुकी है।

मोदी ने पाकिस्तान के आतंकी कृत्यों को सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर के जरिये ऐसा जवाब दिया कि उसकी हेकड़ी निकल गई। आज जहां भारत जी20 एवं ब्रिक्स जैसे मंचों पर मुखर है और ग्लोबल साउथ की आवाज बन रहा है, वहीं पाकिस्तान की गिनती नाकाम मुल्कों में की जाने लगी है। आज चीन, अमेरिका और रूस जैसे देशों की श्रेणी में अगर किसी का उभार होता दिख रहा है तो वह भारत ही है।

भारत के इजरायल से प्रगाढ़ संबंध हैं तो ईरान से भी। रूस भी भारत पर भरोसा करता है तो यूक्रेन भी। बिना किसी के दबाव में आए भारतीय हितों को प्राथमिकता देना मोदी की कूटनीति का खास पहलू बन गया है। आज विश्व भारत को किसी खेमे में नहीं देखता। विश्व भारत की आर्थिक प्रगति से भी प्रभावित है और उसकी क्षमताओं से भी।

भाजपा के विरोधी दल उसके विरुद्ध यह नरैटिव बनाते हैं कि वह ध्रुवीकरण की राजनीति करती है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की नीतियां यही दर्शाती हैं कि उनकी सरकार किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करती। उज्ज्वला से लेकर आवास और आयुष्मान भारत जैसी तमाम ऐसी योजनाएं हैं, जिनसे हर तबके को फायदा पहुंच रहा है। मोदी तकनीक को अपनाने वाले प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने जनधन खाता-आधार-मोबाइल नंबर यानी जैम की तिकड़ी से ऐसा प्रभावी तंत्र बनाया, जिसने न केवल पात्र लाभार्थियों तक लाभ सुनिश्चित किया, बल्कि सरकारी तंत्र के अरबों रुपये भी बचाए।

जब कोविड जैसी महामारी के आगे दुनिया लाचार हो गई थी और माना जा रहा था कि भारत को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा, तब मोदी की नीतियों ने ऐसी आशाओं को निर्मूल साबित किया। उन्होंने इस मुश्किल वक्त में अर्थव्यवस्था को सहारा देकर उसकी गति बढ़ाई और रिकार्ड समय में स्वदेशी वैक्सीन

विकसित कर न केवल सफल टीकाकरण अभियान चलाया, बल्कि कई देशों को वैक्सीन उपलब्ध भी कराई। इसने भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई।

मोदी की तरह पं. नेहरू ने भी देश पर लंबा शासन किया, लेकिन यह न भूला जाए कि नेहरू के समय विपक्षी दल बहुत कमजोर थे और उनकी संख्या भी नाम मात्र की थी। मोदी के विरोधी उन पर तानाशाह होने का आरोप लगाते हैं, जबकि वास्तविकता यही है कि देश पर आपातकाल थोपने वाली इंदिरा गांधी थीं। मोदी जैसी कठोर आलोचना देश में शायद ही किसी नेता को झेलनी पड़ी हो। कठोर आलोचना के बाद भी मोदी अपनी लोकप्रियता बनाए हुए हैं और यही विपक्षी दलों की परेशानी का कारण है। आज अगर भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी हो तो उसका श्रेय मोदी की नीतियों को ही जाता है।

इस समय पूरा विश्व कई मोर्चों पर अलग-अलग चुनौतियों से दो-चार है। कई जगहों पर युद्ध छिड़े हुए हैं या आशांति बनी हुई है। एआइ जैसी उभरती हुई तकनीकों के चलते रोजगारों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। मोदी सरकार ने इन परिस्थितियों को भांपकर उसके अनुरूप नीतियां बनानी भी शुरू कर दी हैं। वास्तव में मोदी हर चुनौती और परिवर्तन का सामना करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। आपदा में अवसर उनकी कार्यशैली का एक मूलमंत्र रहा है। इसी कारण देश का उन पर भरोसा कायम है।

आज देश के युवाओं को गुमराह करने की साजिश रची जा रही है। कुछ शक्तियां भारत की प्रगति में अवरोध पैदा करने पर तुली हैं। वे आर्थिक वृद्धि की गाड़ी को पटरी से उतारने पर आमादा हैं। वे युवाओं को भड़का रही हैं, मगर देश के युवाओं और नागरिकों को यह याद रखना होगा कि गवर्नेंस के मोर्चे पर अतीत में तमाम चुनौतियों से पार पाकर अपनी क्षमता का लोहा मनवा चुके मोदी में ही उनकी मुश्किलों का हल निकालने का मांदा है।

यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि तमाम जटिल परिस्थितियों के बावजूद मोदी शासन संचालन के अपने व्यापक अनुभव और दूरदर्शिता से देश को आगे ले जाने में सफल रहेंगे।



मेघ

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनीकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। विताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे। अपमान, कष्ट, कलह से बचना होगा। राज्य से लाभ के अवसर बढ़ेंगे। लाभ होगा। शत्रु परेशान करेंगे। कुछ नुकसान होगा।



वृष

दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे। वाहन देखकर चलाएं। परिस्थितियां अनुकूल होंगी। कुछ विरोध होगा। विरोधी अपमान करेंगे। शांति होगी।



मिथुन

कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे। दुश्मन समाचार मिलने की संभावना है। अवस्थता होगी। कुसंग से हानि, कुछ लाभ के आसार दिखेंगे। शत्रु शांत होंगे।



कर्क

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग है। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी। कष्टों में निरुति नहीं होगी। कलह से बचना होगा। अधिभार के लिए प्रयत्न करना होगा। धनागम होगा। शरीर शिथिल होगा।



सिंह

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है। स्त्री को कष्ट। जायवद वृद्धि के योग बनेंगे। कष्ट-भय की संभावना, अवस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे।



कन्या

यात्रा, नौकरी व निवेश मनीनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टालें। विरोधी सक्ति होंगे। ज्ञानीजन से मुलाकात होगी। शांति बनाना आवश्यक है। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे।



तुला

यात्रा, नौकरी व निवेश मनीनुकूल रहेंगे। अप्रस्थिति लाभ होगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बढ़ेगी। शत्रु षडयंत्र रहेंगे। सावधान रहने की आवश्यकता है। पराक्रम दिखलाने का अवसर है। लाभ होगा। रिश्त न लें। नम्रता बनाए रखें।



वृश्चिक

राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें। ईमानदारी से कार्य करें। समय पक्ष का है। स्त्री सुख, यात्रा में हानि, दुःख। विरोधी कष्ट देंगे।



धनु

चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें। आश्चर्यकाण्ड बढ़ेंगी। आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएं। शत्रु परेशान करेंगे। हानि नहीं पहुंच पाएंगे। उसाहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।



मकर

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृत्व से परेशानी होगी। घृष्टना की संभावना। धन मिलने की परिस्थिति निर्मित होगी। अंतरप्रणमा से कार्य करें। धनागम के अवसर बढ़ेंगे। प्रमाद का त्याग करना होगा।



कुंभ

विवाद से वलेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उमीद नहीं रहेगी। आर्थिक समस्या बनी रहेगी। व्यसनधीनता से बचें। व्यापार, रोजगार मध्यम रहेगा।



मीन

चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे। आ बैल मुझे मार की स्थिति निर्मित न होने दें। अकारण भय बना रहेगा। व्यापारी सोच-समझकर निर्णय लें।

हल्दी फेस क्लींजर से रोज चेहरा साफ करें और पाएं बेदाग-निखरी त्वचा

बढ़ते प्रदूषण और धूलकणों की वजह से स्किन पर कई तरह की परेशानियां होने लगती हैं। बरलते मौसम में धूप, धूल और कई हानिकारक तत्वों की वजह से स्किन पर पिंपल्स, दाग-धब्बे और टैनिंग की समस्याएं होने लगती हैं। इन परेशानियों से राहत पाने के लिए हम कई तरह के केमिकल्स युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने लगते हैं। इन केमिकल्स युक्त प्रोडक्ट्स से स्किन भले ही कुछ समय के लिए साफ-सुथरी हो जाती है। लेकिन बाद में यह धीरे-धीरे स्किन को नुकसान पहुंचाने लगती है। ऐसे में इन प्रोडक्ट्स के बजाय घरेलू नुस्खों को आजमाना बेहतर हो सकता है। स्किन की



देखभाल के लिए हल्दी को सबसे बेहतर माना जाता है। हल्दी के इस्तेमाल से स्किन पर निखार लाया जा सकता है। हल्दी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-एजिंग और एंटी-

सेप्टिक गुण स्किन को कई तरह की परेशानियों से राहत दिला सकते हैं।

हल्दी और गुलाबजल : हल्दी और गुलाबजल का इस्तेमाल करने से स्किन को कई तरह के फायदे हो सकते हैं। इसके लिए 1 कटोरी लें। इसमें आधा चम्मच हल्दी डालें। अब आप इसमें गुलाबजल की कुछ बूंदें मिस्र करें। जब मिश्रण गाढ़ा और स्मूद हो जाए, तो इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। करीब 20 मिनट बाद जब चेहरे पर लगा पैक सूख जाए, तो इसे ठंडे पानी से साफ कर लें। इस क्लींजर का इस्तेमाल करने से आपकी स्किन साफ और वैकटीरिया मुक्त हो सकती है।

हल्दी, अंडे का सफेद भाग और

नारियल तेल : पिंपल्स की परेशानियों को दूर करने के लिए आप हल्दी से तैयार यह क्लींजर इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे और मुंहासे दूर हो सकते हैं। इस क्लींजर को तैयार करने के लिए एक कटोरी लें। इसमें 1 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच नारियल तेल और अंडे का सफेद हिस्सा मिस्र करें। पेस्ट तैयार होने के बाद इसे अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। करीब 20 से 25 मिनट बाद जब पैक सूख जाए, तो इसे ठंडे पानी से साफ कर लें। इस पैक को लगाने से स्किन की कई तरह की समस्याएं दूर हो सकती हैं। इसे आप अपने चेहरे पर सैंडियों के मौसम में खासतौर पर लगा सकते हैं।

सांगासर डेरे में साधु की हत्या कर गुपचुप समाधि देने का पर्दाफाश

मुख्य आरोपी बालक नाथ सहित चार गिरफ्तार
निस

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ तहसील के ग्राम सांगासर डेरे में साधु बना नाथ की पीट-पीटकर हत्या करने और साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को गुपचुप तरीके से समाधि देने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित चार जनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम. के निर्देशन में थानाधिकारी संदीप कुमार की अगुवाई में गठित टीम ने आरोपियों को दबोचा। मामले के अनुसार सिरसा हरियाणा के धौलपालिया निवासी मृतक के भाई हंसराज ने 7 अक्टूबर को स्थानीय पुलिस थाने में रिपोर्ट दी थी कि उनका छोटा भाई बना नाथ वर्ष 2004 में साधु बन गया था और पिछले दो वर्षों से रावतसर स्थित संत बालक नाथ के आश्रम में रह रहा था। 4 अक्टूबर को बालक नाथ उसे सांगासर आश्रम लेकर आया, जहाँ आरोपियों ने मिलकर उसके साथ गंभीर मारपीट कीए जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजनों को सूचना दिए बिना साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को वहीं समाधि दे दी गई। रिपोर्ट पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मुखबिर तंत्र और जिला साइबर सेल की तकनीकी मदद से पुलिस ने सांगासर डेरे में दबिश देकर मुख्य आरोपी बालक नाथ उर्फराजकुमार, बजरंगा नाथ उर्फ पवन कुमार, मुकेश नाथ उर्फ दीपक तथा रावतसर निवासी लक्ष्मीनारायण महाजन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम में थानाधिकारी संदीप कुमार, एएसआई सुभाषचंद्र, कांस्टेबल राकेश कुमार, मुकेश, दीनदयाल सहित साइबर सेल के भागीरथ व धर्मवीर की अहम भूमिका रही। पुलिस अब आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेगी, ताकि हत्या के कारणों और मामले में शामिल अन्य संदिग्धों की भूमिका का खुलासा हो सके।

भक्ति और आस्था के साथ मनाई अग्रसेन जयंती



निस

बीदासर (नवयत्न)। अग्रवाल समाज द्वारा रविवार की देर शाम कस्बे की टांटिया धर्मशाला में अग्रसेन जयंती भक्ति व आस्था के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के लोगों ने अग्रसेन महाराज के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा अर्चना की। महाआरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम के विद्यार्थियों की विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के बाद भजन-कीर्तन के कार्यक्रम हुए। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले बच्चों को पुस्कृत किया गया। जयंती कार्यक्रम में रमेश कुमार टांटिया, मनोज पंसारी, शिवकुमार टांटिया, सुरेश कंदोई, अमित टांटिया, सुरेन्द्र पंसारी, बनवारी लाल टांटिया, कन्हैया लाल चौधरी सहित समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

व्यापार मंडल ने पालिकाध्यक्ष सुमन प्रजापत का किया सम्मान

चेयरमैन प्रतिनिधि ने विकास कार्यों को गति देने की बात कही



निस

बीदासर (नवयत्न)। पुराना बस स्टैंड रोड स्थित टांटिया धर्मशाला में शनिवार देर शाम व्यापार मंडल की ओर से नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष सुमन प्रजापत का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान व्यापार मंडल के जुगल किशोर मोदी ने पालिकाध्यक्ष को चुनरी ओढ़ाकर और साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व खनिज मंत्री खेमराम मेघवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर पुजारी, पूर्व पालिका अध्यक्ष सीताराम भोभरिया, डीएसपी सुखदेव चारण, तहसीलदार इंद्रराज बारूपाल, थानाधिकारी सुभाष कच्छवाल और व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवकुमार टांटिया का भी स्वागत किया गया। इस मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि बाबूलाल करंडवाल ने कहा कि नगर पालिका के विकास कार्यों को गति देने के लिए व्यापारियों को साथ लेकर काम किया जाएगा। उन्होंने कस्बे के विकास में व्यापारियों की भागीदारी और सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। समारोह के दौरान व्यापारियों ने पालिकाध्यक्ष के समक्ष कस्बे के मुख्य बाजार में सार्वजनिक शौचालय निर्माण की मांग रखी। व्यापारियों ने बताया कि मुख्य बाजार में शौचालय की सुविधा होने से बाजार में आने वाले लोगों को राहत मिलेगी। इस पर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर चर्चा हुई। कार्यक्रम में व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष ओम प्रकाश भोभरिया मंत्री रमेश सोनी, कोषाध्यक्ष फरूक हुसैन छीप्पा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

आग लगने से हुए नुकसान को देखते हुए मोबाइल एसोसिएशन ने की आर्थिक मदद



निस

सूरजगढ़ (नवयत्न)। कस्बे के मंडी रोड़ स्थित एक फुटवेयर की दुकान में करीब हफ्ते भर पहले शॉर्ट सर्किट से लगी आग के कारण लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया था। दुकानदार दुकान से ही अपने परिवार का पेट पाल रहा था। आगजनी से दुकान में लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया था। पिड़ित दुकानदार विनोद कुमार शर्मा हादसे के बाद से सदमे में था। रविवार को कस्बे के मोबाइल एसोसिएशन द्वारा पीड़ित दुकानदार विनोद शर्मा को 62001 रूपए की आर्थिक मदद की गई। इस नेक काम के लिए कस्बे में भामाशाहों की इस पहल की प्रशंसा की जा रही है।

नशा मुक्ति समागम का सफल आयोजन, युवाओं और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति किया जागरूक

निस

तारानगर (नवयत्न)। कस्बे के जोड़ीवाल धर्मशाला में सामाजिक संस्था मिशन बदलाव की ओर की ओर से नशा मुक्ति एवं जन-जागरूकता समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समागम का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष हरि इंंदोरिया, बाबूलाल जागिड़ डॉ. देवीलाल जोशी, डॉ.



श्रीकृष्ण शर्मा, भामाशाह ताराचंद गोयल, धर्म पाल बोध, महंत किशन गिरी व वासुदेव कंदोई

सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति

पर चिंता व्यक्त करते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान

श्री गंगा गौशाला में वर्षा जल संचयन की पहल, सालाना 75 लाख लीटर पानी जुटाने का लक्ष्य

निस

नोखा (नवयत्न)। जल संरक्षण और गोसेवा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री गंगा गौशाला, नोखा में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था विकसित की जा रही है। शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन गौशाला परिसर में दूसरे जलकुंड के निर्माण के लिए स्थान चिन्हित किया गया। इस अवसर पर गौशाला कार्यकारिणी के सदस्य सतीश कुमार झंवर, जितेंद्र सुराणा एवं ज्ञानचंद लुणावत सहित अन्य गोसेवक उपस्थित रहे। सतीश कुमार झंवर ने बताया कि गौशाला परिसर में पहले जलकुंड का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अब दूसरे जलकुंड का निर्माण प्रस्तावित है, जिसके लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है। इसका भूमि पूजन शीघ्र किया जाएगा। इस योजना के तहत वर्षा जल को व्यर्थ बहने से बचाकर एकत्रित करने और आवश्यकता के समय गोवंश के उपयोग में लेने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि श्री गंगा गौशाला में वर्तमान में 2,000 से

अधिक गोवंश की सेवा की जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में गोवंश के लिए पर्याप्त एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए वर्षा जल संचयन की योजना बनाई गई है। इसके माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 75 लाख लीटर वर्षा जल संग्रहित करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे गर्मी के मौसम और जल संकट के समय पानी की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

वर्षा जल संरक्षण से कम होगी जल संकट की चुनौती

झंवर ने कहा कि वर्षा जल प्रकृति की अनमोल दैन है। इसको प्रत्येक बूंद का संरक्षण करना हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि वर्षा के पानी को योजनाबद्ध तरीके से एकत्रित किया जाए, तो जल संकट को कम करने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि गोवंश के स्वास्थ्य और देखभाल के लिए स्वच्छ पेयजल अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेषकर गर्मी के मौसम में



गोसेवकों और भामाशाहों से सहयोग की अपील

उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन की यह पहल गोसेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। जल की बचत आज की आवश्यकता है और इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने आमजन, भामाशाहों और गोसेवकों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील की। सामूहिक प्रयासों से जल संरक्षण की ऐसी योजनाओं को प्रभावी बनाया जा सकता है और गोवंश की सेवा को बेहतर किया जा सकता है। श्री गंगा गौशाला की इस पहल से वर्षा जल के सदुपयोग, जल संरक्षण और गोसेवा को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। संदेश जल है तो कल हैए वर्षा की हर बूंद अनमोल है। जल संरक्षण ही सच्ची गोसेवा है।

पशुओं को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना आवश्यक हो जाता है। वर्षा जल को उचित तरीके से संग्रहित कर उसकी गुणवत्ता की जांच एवं

आवश्यक उपचार के बाद उपयोग में लेने से गौशाला की जल संबंधी जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिल सकती है।

आहुति के साथ संस्कारों की सीख, गर्ल्स हॉस्टल में हुआ वैदिक यज्ञ



निस

झुंझुनू (नवयत्न)। नवरात्रा के अवसर पर महर्षि दयानन्द महिला विज्ञान कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में आर्य समाज की ओर से वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ विधि,विधानपूर्वक सम्पन्न हुआ। आर्य समाज के प्रधान डी.वी. शास्त्री एवं मंत्री पवन कुमार के सान्निध्य में आयोजित हुआ। हॉस्टल इंचार्ज अनिता देवी एवं कॉलेज समन्वयक एडवोकेट सतीश कुल्हरी ने मुख्य यजमान के रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर हॉस्टल में निवासरत छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए यज्ञ में आहुतियां दी। कार्यक्रम का उद्देश्य

छात्राओं में आध्यात्मिक चेतना, सकारात्मक विचारों तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। वैदिक यज्ञ के माध्यम से छात्राओं को भारतीय संस्कृति, वैदिक परंपराओं और संस्कारों के महत्व से परिचित कराया गया। वैदिक मंत्रों की पवित्र ध्वनि और यज्ञ की आहुतियों से हॉस्टल का वातावरण आध्यात्मिक एवं भक्तिमय बना रहा। यज्ञ में सनम कुमारी, अनिता, सोनिया सैनी, मधु, अक्षिता, ग्रीष्मा, निकिता, रिंकू, अनु, रितिका, पलक, संगीता, नेहा, साक्षी, अंशु, जयंत, मनीषा, एकता, ज्योति, हेमलता, प्रीति, भूमिका, वर्षा, सीमा, सोनम, आरजू, खुशबू एवं प्रिया ने आहुतियां दी।

नहर में डूबन से युवक की मौत



निस

चूरू (नवयत्न)। चूरू जिले के तारानगर थाना क्षेत्र में खेत में मूंग की फसल काटने गये युवक की नहर से पानी निकालते समय नहर में डूबन से मौत हो गयी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गयी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने परिजनों व ग्रामीणों की सहायता से शव को नहर से निकलवाकर सरकारी अस्पताल की मोचरी में रखवाया। जहां परिजनों की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। तारगर थाना के एसएसआई रोहितप सिंहग ने बताया कि तारानगर के वाई 1 निवासी मुस्लीधर ने रिपोर्ट दी उसका भाई 40 वर्षीय संपतराम मेघवाल रविवार सुबह खेत में मूंग की फसल काटने के लिये गया था। काम के दौरान प्यास लगने से वह नहर से पानी निकालने गया था। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह नहर में गिर गया। जिसकी नहर के पानी में डूबने से मौत हो गयी। एसएसआई रोहितप ने बताया कि कड़ी मशकत के बाद शव को नहर से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मृतक के भाई की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है।

भव्य एन्क्लेव में नवरात्र महोत्सव शुरू, कलश यात्रा में उमडा महिलाओं का जन सैलाब



निस

पलसाना (नवयत्न)। कस्बे के बाबा राम पेटोल पंप के सामने भव्य एन्क्लेव स्थित भव्य बालाजी मंदिर में कलश एवं बालाजी की पूजा अर्चना के बाद डीजे के साथ नाचती गाती झूमती रंग बिरंगों परिधानों में सुसज्जित महिलाएं शुभारंभ में निकली कलश यात्रा में महिलाओं का विशाल जन सैलाब उमडा। प्राप्त जानकारी के अनुसार भव्य परिवार एवं सभी के सहयोग

से होने वाले दुर्गा पूजा महोत्सव में श्रद्धा एवं भक्ति का रस उमड़ रहा है। भदाला की ढाणी बालाजी मंदिर में कलश एवं बालाजी की पूजा अर्चना के बाद डीजे के साथ नाचती गाती झूमती रंग बिरंगों परिधानों में सुसज्जित महिलाएं शुभारंभ में निकली कलश यात्रा में महिलाओं का विशाल जन सैलाब उमडा। प्राप्त जानकारी के अनुसार भव्य परिवार एवं सभी के सहयोग

ने शानदार नृत्य की प्रस्तुतियां दी। कलश यात्रा का जगह-जगह शानदार पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। पंडित राम गोपाल चौटिया ने मुख्य यजमान सेवानिवृत्त वरिष्ठ व्याख्याता अर्जुन लाल बाजडेलिया से सपत्नीक पूजन कराया। बताया कि प्रातः 8:00 बजे तथा सायंकाल 7:30 बजे प्रतिदिन आरती होगी। जिसके पश्चात लोक कलाकारों के द्वारा

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति, झांकी, नुक्रड़ नाटक, एवं हास्य कलाकारों के द्वारा हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत किए जाएंगे। इस अवसर पर भव्य परिवार के अलावा आसपास के अनेक गणमान्य नागरिक महिला पुरुष एवं बच्चे मौजूद थे। सोमवार को त्रिलोक भारती के द्वारा विभिन्न प्रकार की झांकी एवं कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

चंचलनाथ टीले पर गूंजे मां दुर्गा के जयकारे, 251 महिलाओं की कलश यात्रा से शतचंडी महोत्सव का आगाज

निस

झुंझुनू (नवयत्न)। शहर के ऐतिहासिक चंचलनाथ टीले पर रविवार को दुर्गा पूजा महोत्सव एवं शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। गाजे-बाजे के साथ निकली कलश यात्रा में 251 महिलाओं ने भाग लिया। मां दुर्गा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा और श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ धार्मिक आयोजन में भागीदारी निभाई। रविवार सुबह 10 बजे टीले स्थित हनुमान मंदिर से कलश यात्रा रवाना हुई। नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यात्रा पुनः टीला परिसर पहुंची। आयोजन का शुभारंभ पीठाधीश्वर महंत ओमनाथ महाराज, फजनपुरा आश्रम के महंत विजयनाथ महाराज तथा बूंटिया धाम के महंत निरंजन नाथ महाराज के सान्निध्य में हुआ। टीले के संत विचारनाथ महाराज एवं महोत्सव के मुख्य यजमान अमरनाथ जांगिड़ ने बताया कि चूरू के विद्वान पींडित सुमित व्यास के आचार्यत्व में आठ पंडितों के सान्निध्य में शतचंडी महायज्ञ सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं।



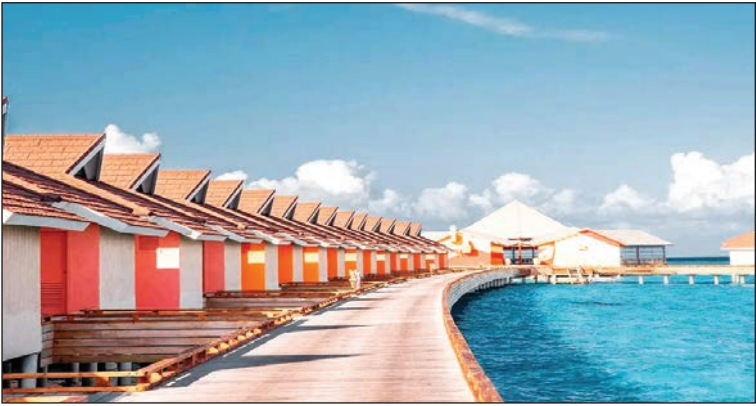
आरती और भजन संध्या में उमड़ी श्रद्धा

महोत्सव के तहत सुबह 10 बजे और रात्रि 8 बजे संगीतमय आरती का आयोजन किया गया। वहीं, रात्रि 9:15 बजे साधु-संतों और स्थानीय कलाकारों की ओर से भजन संध्या आयोजित हुई। भक्ति गीतों के माध्यम से मां दुर्गा की आराधना की गई। श्रद्धालु देर रात तक भजनों में शामिल होकर भक्तिरस में सराबोर रहे। आयोजन में एडिशनल एसपी देवेन्द्र सिंह राजावत, नीरज जांगिड़, फूलचंद सैनी, रामू फोटोग्राफर, राकेश व्यास, विमल सैनी, विनोद पुरोहित सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

घूमने के लिए मालदीव जाने की नहीं है जरूरत, ऐसी जैसी जगह भी है जहां भारत में बिन वीजा के घूम सकते हैं आप

अगर आप पत्नी के साथ मालदीव की छुट्टियां मनाने के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन खर्च ने आपके पसीने छोड़ दिए हैं, तो इतनी जल्दी निराश होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमारे देश में भी हबहू विदेश जैसी जगहों की कमी नहीं है। जी, भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जो एकदम फॉरेन जैसी लगती हैं, अब आप श्रीनगर को ही देख लीजिए, ये प्लेस स्विट्जरलैंड से कम नहीं लगता, यही नहीं देश में 7 से 8 ऐसे स्थान हैं, जिन्हें ‘मिनी स्विट्जरलैंड’ के नाम से जाना जाता है। बल्कि केरल, ऊटी, दार्जीलिंग जैसे प्लेसेस भी विदेशी जगहों से कम नहीं लगते। खामखा हम विदेश घूमकर इतने पैसे खर्च करते हैं!

लक्षद्वीप द्वीप : लक्षद्वीप द्वीप समूह भारत का सबसे फेमस आइलैंड है, जिसे देश के सबसे अनोखे टूरिस्ट प्लेस में गिना जाता है। छोटे से मालदीव के रूप में मशहूर ये नीला समुद्र तट अरब सागर के किनारे स्थित है। ये भारतीय द्वीप सॉर्कलिंग और स्कूबा डाइविंग जैसे पानी के खेल में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए परफेक्ट है। अगर आप इस द्वीप तक जाना जाना चाहते हैं, तो बता दें, पहले आपको कोच्चि में लक्षद्वीप पर्यटन कार्यालय से प्रवेश परमिट प्राप्त करना होगा, उसके बाद ही आपको उस क्षेत्र तक जाने की अनुमति दी जाएगी, जहां लक्षद्वीप द्वीप स्थित है।



नील द्वीप : अंडमान सागर में नील द्वीप देखने में जितना हसीन है, उतना ही यहां घूमने का अनुभव आपको यकीनन पागल कर देगा। यहां के हरे भरे धान के खेत, उष्णकटिबंधीय समुद्र तटों और फलों के बागों को देखकर ऐसा लगता है मानों स्वर्ग की कोई जगह पृथ्वी पर उतरी हो। जिस तरह से मालदीव कपल्स के लिए हनीमून डेस्टिनेशन बन चुका है, उसी तरह नील द्वीप भी बजट के अंदर घूमने वाले जोड़ों के बीच फेमस है। यहां आप बोटिंग का मजा लेने के साथ-साथ एक से एक वॉटर एक्टिविटीज में शामिल हो सकते हैं। यही नहीं एक बाइक किराए पर लेकर पत्नी संग आप द्वीप पर घूम सकते हैं।

नेत्रानी द्वीप, कर्नाटक : नेतरानी द्वीप, जिसे कबूतर द्वीप के रूप में भी जाना जाता है, मंदिर शहर मुरुदेश्वर के तट के माध्यम से पहुंच सकते हैं। ऐसा भव्य आकर्षण अरब सागर में कॉकण तट पर स्थित है। अपनी दिलचस्प और नुकीले चट्टानों के साथ भव्य भारतीय द्वीप पर्यटकों के लिए परफेक्ट हैं। यहां की अद्वितीय समुद्री प्रजातियां जैसे ब्लैल शार्क और बटरफ्लाईफिश मालदीव में होने का एहसास देती हैं।

हैब्लांक द्वीप, अंडमान : हैब्लांक द्वीप दुनिया के कुछ बेहतरीन समुद्र तटों के साथ अपने आप में एक बेहतरीन टूरिस्ट प्लेस है। द्वीव की सफेद के किनारे बैठें और

नीले आसमान के नीचे नीले पानी को देखने का जो अनुभव है, यकीनन आपके हर तनाव को दूर कर देगा। मालदीव जैसी दिखने वाली इस जगह का नजारा हबहू विदेश में घूमने जैसा लगता है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, भारत के द्वीपों के सबसे बड़े समूह के अंदर स्थित हैं। यहां आप समुद्र तट के किनारे कुर्सी डालकर दोनों कॉकटेल का भरपूर मजा ले सकते हैं।

दिवार द्वीप : अब जब आप अगली बार गोवा में हो दिवार द्वीप जाना न भूलें। ऐसा छिया हुआ रत्न भला भारत में और कहां ही दिखाई देगा। पंजिम से केवल 10 किलोमीटर दूर ये आइलैंड भी मालदीव में होने का पूरा एहसास देती है। यहां की संस्कृति और ग्रामीण इलाकों को पास से जान सकते हैं, जो मंडोवी की बहती नदी के पार स्थित है। साथी का हाथ पकड़ते हुए यूरोपीय संरचनाओं, पुर्तगाली स्थलों और प्रसिद्ध आवर लेडी ऑफ कम्पेशन चर्च को देख सकते हैं।

एलीफेंटा द्वीप, मुंबई : हाथी गुफाओं की प्रसिद्ध भूलभुलैया के कारण घरपूरी को एलीफेंटा द्वीप के रूप में जाना जाता है, जो गेटवे ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई हार्बर के उत्तर पूर्व दिशा में स्थित है। यूनेस्को ने प्राचीन भारतीय सुंदरता को देखते हुए इन रॉक-कट अजूबों को विश्व धरोहर स्थल की लिस्ट में शामिल किया हुआ है।

भारतीय पासपोर्ट दिखाइए और पाइए इन देशों में बसने का मौका, आसानी से भी मिल जाएगी आपको नौकरी

घूमने-फिरने का शौक रखने वालों की इच्छा एक बार विदेश जाने की भी होती है। भारत से बाहर कई देशों की खूबसूरती हर भारतीय को आज के समय में बेहद आकर्षित कर रही है। आजकल तो युवा पढ़ाई, नौकरी के लिए भी विदेशों जाने लगे हैं। ऐसे में फॉरेन घूमने और वहां जाकर बसने का सपना देखने वाले भारतीयों की कमी नहीं है। अगर आप भी विदेश घूमना या वहां बसना चाहते हैं, तो ये सपना आपका भी बहुत ही आसानी से पूरा हो सकता है। कुछ देश हैं, जहां आप अपने बसने की इच्छा को पूरा कर सकते हैं, बस आपके पास आपका पासपोर्ट और कुछ जरूरी डॉक्यूमेंट्स होने चाहिए, बस फिट वर्ये आप और आपका पसंदीदा देश।



कनाडा : अगर आपको उत्तरी अमेरिका की जगहें बेहद पसंद हैं, लेकिन अमेरिका के लिए वीजा मिलना आपके लिए मुश्किल हो रहा है, तो इसके उत्तर में पड़ोसी जगहें आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकती हैं। कम योग्यता क्राइटेरिया के साथ भी कनाडा में सामान्य रूप से आपको वीजा के ऑप्शन मिल जाएंगे। बता दें, इस देश को दुनिया की कई रहने वाली जगहों में से एक के रूप में भी जाना जाता है। इसके कई शहरों ने रहने और काम करने के लिहाज से टॉप 10 में अपनी जगह बनाई हुई है। यहां का बेहतर मेडिकल सिस्टम, इमिग्रेशन पॉलिसी, और पर्याप्त रोजगार के साथ कई चीजों की वजह से ये देश जाना जाता है।

फ्रांस : आपने कभी फ्रांस की गलियों में घूमने का सपना देखा है? अगर देखा है, तो उसे अब पूरा भी कर लीजिए! लंबे समय तक ठहरने की तलाश में लोग एक अच्छी जगह ही देखते हैं, तो इस लिस्ट में फ्रांस भी आता

है। हमेशा से घूमने के लिहाज से टॉप लिस्ट में रहने वाली ये जगह कई वीजा विकल्प प्रदान करती है। 2017 में, फ्रांसीसी सरकार ने देश के तकनीक उद्योग को बढ़ावा देने और विदेशियों के रहने के लिए फास्ट-ट्रैक वीजा देने के लिए कुछ तरीके लांच किए थे, इससे आईटी एम्प्लॉई या तकनीकी कर्मचारियों को भी काफी मदद मिली थी। फ्रांसीसी टेक वीजा कर्मचारियों, निवेशकों और उद्यमियों को चार साल तक फ्रांस में रहने और काम करने की अनुमति देता है। ये वीजा यूरोप में सबसे लंबी अवधि के वीजा विकल्पों में से एक है।

स्पेन : यात्रियों और दूरदराज के कर्मचारियों के लिए यूरोप में एक और लोकप्रिय डेस्टिनेशन स्पेन है। स्पेन ने हाल ही में एक नए डिजिटल नोमेड'' वीजा की घोषणा की है, जिसमें व्यक्ति को किसी भी पसंद की कम्पनी के लिए काम करते हुए 12 महीने तक देश में रहने की अनुमति होती है।

कुछ शतों की अनुसार, वीजा को तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है। वीजा देश के कुछ छोटे, कम आबादी वाले क्षेत्रों में सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक नई सरकार की पहल का हिस्सा है। यही नहीं, स्पेन के समुद्र तट वाले कस्बों और गांवों में रहने के लिए भी कई विकल्प मौजूद हैं, बल्कि ये अपनी आबादी को बढ़ाने के लिए नई-नई स्कीम निकालते रहते हैं।

मेक्सिको : मैक्सिको को पसंद करने वालों के लिए ये एक और नया लोकप्रिय डेस्टिनेशन बन चुका है। मैक्सिको की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक चीजें कई लोगों को यहां बसने को मजबूर कर देती हैं। मैक्सिकन सरकार ने ऐतिहासिक रूप से छह महीने के पर्यटक वीजा को भी शुरू किया है। आजकल कई यात्री अस्थायी निवासी वीजा का भी विकल्प चुन रहे हैं, जो एक साल के लिए वैलिड है।

इंडोनेशिया : इंडोनेशिया घूमने के लिहाज से भारतीयों के लिए हमेशा टॉप डेस्टिनेशन रहा है, क्योंकि ये देश हम लोगों के लिए काफी सस्ता पड़ता है, साथ ही यहां रहने और खाना काफी चीप है। कोविड माहमारी के बाद से लॉकडाउन हटने के बाद से इंडोनेशियाई सरकार अब विदेशी निवासियों को लुभाने के लिए नए तरीकों की तलाश कर रही है.आपको बता दें, बाली में लंबे समय के यात्रियों और दूर दराज के श्रमिकों के लिए पांच साल के लिए वीजा योजना की घोषणा 2021 में गई थी।

नोएडा की इन जगहों पर बच्चों को ले जाकर बनाएं उनका दिन खास

बचपन जिंदगी का वो सुनहरा समय है, जो एक बार चला जाए तो फिर चाहते हुए भी लौटकर नहीं आता। बढ़ती उम्र के साथ-साथ हम कई जिम्मेदारियां आपने साथ लेकर चलना शुरू कर देते हैं। अब जब जिम्मेदारियां कंधों पर आ गई तो मतलब समझ जाइए आप और हम अब बड़े हो गए। लेकिन आगे बढ़ने में बचपन की यादें एक बड़ी भूमिका निभाती हैं। बचपन में की गई अप्रु घर की मस्ती, खिलौनों के लिए मम्मी को मनाना, तो वहीं पापा के पीछे-पीछे कहीं साथ घुमाने के लिए लग जाना। ये सभी चीजें हम सभी को बेहद याद आती हैं। लेकिन हर साल आने वाला वो बाल दिवस हम सभी को बच्चों वाला जीवन जीने का मौका देता है।

वर्ल्ड्स ऑफ वंडर : वर्ल्ड्स ऑफ वंडर नोएडा की वो खूबसूरत और मजेदार जगह है, जहां आप अपने दोस्तों के संग वीकेंड की शाम गुजार सकते हैं। यहां जाने के बाद आपको यकीनन मजा आ जाएगा। राइड्स पर बैठने के अलावा भी आप वाटर पार्कस का मजा ले सकते हैं। 10 एकड़ में फैला ये वाटर पार्क न केवल बेहतर स्पेस के साथ बना हुआ है, बल्कि घूमने-फिरने के लिहाज से भी जीवन में रोमांच जोड़ देता है।

स्नो वर्ल्ड : स्नो वर्ल्ड नोएडा के सबसे खूबसूरत और मशहूर जगहों में शुमार है। गर्मियों में घूमने के लिए ये जगह एकदम बेस्ट है। यहां आप दोस्तों के साथ खूब सारा फन कर सकते हैं। अलग-अलग फूड पाईंट और कई नयी चीजों को देख सकते हैं। अच्छी बात तो ये है कि यहां कई खूबसूरत सेल्फी पाईंट भी हैं।

किडजानिया, नोएडा : ये जगह बच्चों के साथ मस्ती करने के लिए बेहद खास है। छोटे बच्चों को यहां काफी कुछ सीखने को मिलता है। बता दें कि किडजानिया में 100 से भी ज्यादा



फिजिकल एक्टिविटी वाले गेम्स हैं। बच्चे यहां मौज मस्ती करने के बाद फूड कोर्ट में भी खाने का मजा ले सकते हैं। बता दें, बच्चों के लिए यहां की फीस 1300 से लेकर 700 रुपए है।

डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया : घूमने फिरने का मजा तो तब ही है, जब खाने-पीने का ऑप्शन बेहतर हो। DLF Mall Of India एक ऐसी ही जगह है, जहां आप बच्चों के साथ वीकेंड पर या ऐसे खास मौकों पर मस्ती कर सकते हैं।

द ग्रेंड वेनिस मॉल, नोएडा : ग्रांड वेनिस मॉल में जाते ही आपको वेनिस में होने का भी एहसास होगा। ग्रांड वेनिस मॉल में स्वादिष्ट फूड कोर्ट के साथ मॉल में रोमान देवियों की मूर्तियां लगी हुई हैं। यहां गंडोला राइड भी है, जिसपर आप बच्चों को बैठाकर एक वाटर राइड करा सकते हैं।

राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल और ग्रीन गार्डन, नोएडा : इस स्थान को भारत के दलित नेताओं के सम्मान में बनाया गया है। खास बात ये है इसे नोएडा के फेमस हैंगआउट प्लेस के रूप में भी गिना जाता है। 685 करोड़ के बजट में बने इस स्थान पर डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, काशीराम, और मायावती के अलावा कई बड़ी दलित हस्तियों की प्रतिमाएं लगी हुई हैं।

फतेहाबाद से फतेहपुर सीकरी तक, अकबर के शाही शहर से जुड़े हैं ये इंटरेस्टिंग फैक्ट्स

बात जब आगरा घूमने की होती है तो ताजमहल का नाम ध्यान में सबसे पहले आता है। वहीं इस शहर के आसपास भी घूमने के लिए काफी कुछ है, इनमें से सबसे फेमस है फतेहपुर सीकरी। इस जगह का निर्माण 16 वीं शताब्दी में हुआ था। उस समय ये एक शाही शहर था, यही वजह है कि इसे आज भी लौंग शाही शहर के नाम से पुकारते हैं।

क्या है इस नाम का मतलब : फतेहपुर सीकरी नाम अरबी मूल का है, फतेहा का मतलब है जीत और सीकरी का मतलब है ईश्वर को धन्यवाद देना। शहर का पहले का नाम फतेहाबाद था, जिसे बादशाह अकबर ने दिया था, जिसका अर्थ है जीत का शहर। उनके बेटे के नाम पर जहांगीर के दूसरे जन्मदिन पर, उन्होंने फतेहाबाद और सीकरीपुर नामों के साथ एक शाही महल का निर्माण शुरू किया, जिससे फतेहपुर सीकरी की वर्तमान पहचान बन गई।

दुनिया सबसे ऊंचा दरवाजा है यहां : 54 मीटर लंबा बुलंद दरवाजा फतेहपुर सीकरी की पहचान है। ये दुनिया का सबसे ऊंचा एंट्री गेट है। इस खूबसूरत दरवाजे पर कुरान की कुछ आयतें लिखी गई हैं। इस दरवाजे पर आपको कुछ यूनीक पैटर्न देखने को मिलेगा। जब भी आप इस जगह पर जाएं तो यहां की वास्तुकला को करीब से देखें।

क्यों बीचों बीच बनाया सलीम चिश्ती का मकबरा : अकबर सलीम चिश्ती के सच्चे



भक्त थे, यही वजह है कि उनका मकबरा पूरे महल परिसर में सबसे जरूरी इमारत है। अकबर का मानना ​​था की सलीम चिश्ती के आशीर्वाद से ही उनके पुत्र जहांगीर का जन्म हुआ था। यही वजह है कि आज भी महिलाएं यहां धागा बांधने के लिए जाती रहती हैं।

नौबत खाना से होती थी मेहमान के आने की घोषणा : परिसर के एंट्री गेट के पास नौबत खाना नामक ड्रम हाउस है जहां मेहमानों के आने पर उनकी घोषणा की जाती है। इस भवन का नाम नौबत ड्रम के नाम पर रखा गया है जो मुगल संस्कृति से संबंधित था और विशेष समारोहों के दौरान बजाया जाता था।

बुंदेलखंडी वीरता की कहानी और आस्था-अध्यात्म संग अद्भुत नैसर्गिक सौंदर्य

प्रकृति का सौंदर्य आस्था-अध्यात्म.. वास्तुकला के साथ ही संस्कृति और वीरता से भरा इतिहास। इतना सब अगर एक साथ एक ही जगह देखना और जानना हो तो विविधताओं से भरी वीरभूमि महोबा में आपका स्वागत है। यहां के कण-कण में वीर आल्हा-ऊदल की यादें हैं तो जहां-तहां अद्भुत कारीगरी की झलक विशाल मंदिर, नक्काशीदार इमारतों में दिखती है। दो हजार फीट ऊंचाई लिए गोरखगिरि वन गमन के दौरान प्रभु श्रीराम, सीता और लक्ष्मण के यहां निवास करने की निशानी लिए है तो यहीं सिद्ध बाबा गुरु गोरखनाथ की तपोस्थली भी है। मुख्यालय से पश्चिम में बसा बुंदेलखंड का कश्मीर चरखारी अपने सप्तसरोवर के कारण दर्शनीय है। यहां भाति-भाति के तीन त्योहार और यहां की संस्कृतियां आपस में मेलजोल बढ़ाती हैं।

गोरखगिरी : महोबा में आल्हा-ऊदल की वीरता की गाथाएं उनकी विरासतों में आज भी जिंदा हैं। उससे भी पुराने इतिहास और परंपराओं की यादें यहां के गोरखगिरि पर्वत में परिलक्षित होती हैं। गोरखगिरी पश्चिम दिशा में मदनसागर सरोवर को सौंदर्य प्रदत्त करने वाला 270 एकड़ के करीब विस्तृत विंध्य पर्वत श्रृंखला का ही एक हिस्सा है। गिरि की गोद में दो पोखर, उजियारी-अंधियारी कंदराएं हैं। यहीं पर प्रभु श्रीराम वनवास के दौरान कुछ समय के लिए ठहरे थे। यहां सीता सौंदर्य के रूप में इसके निशान मिलते हैं। सिद्ध आश्रम में सेवा करने वाले तारा पाटकार बताते हैं कि बुंदेलखंड में जिस समय भयंकर सूखा होता है, उस समय यी पर्वत और सिद्ध बाबा मंदिर के आसपास हरे भरे पौधे लहलहाते रहते हैं।

ऐसे पहुंचें : कानपुर-सागर हाईवे से पश्चिम करीब आधा किमी दूर प्राइवेट वाहन से जा सकते हैं। गोरखगिरी पर पहुंचने के लिए पैदल जाना पड़ेगा।

शिवतांडव : गोरखगिरि की सैर पर जाने से पूर्व पश्चिमी तलहटी में व महोबा-छतरपुर बाईपास मार्ग पर

बाईं ओर लगभग 150 मीटर की दूरी पर शिवतांडव की प्रतिमा है। भगवान शंकर की रौद्र रूप में नृत्य करती प्रतिमा लगभग 15 गुणे 14 वर्ग फीट की है। यह आठवें चंदेल नरेश धंग के समयाकालीन है।

खखरामठ : शहर के पश्चिम में मदनसागर की लहरों के बीच खखरामठ है। महोबा का इतिहास पुस्तक के अनुसार यहां आल्हा-ऊदल का मंत्रणा कक्ष था। यहां पर पत्थर के विशाल चार हाथी बने हैं। ऊंचे मंदिर के आकार का बना मठ दूर से टापू सा नजर आता है। यहां तक पहुंचने के लिए तालाब पर पुल बना है।

सूर्य मंदिर : शहर के दक्षिण रहेलिया गांव में सूर्य मंदिर चंदेल शासक राहिल देव बर्मन ने करीब 850वें सदी में बनवाया था। 12वीं सदी में कुतुबुद्दीन एबक ने इसका कुछ हिस्सा गिराया था। पास में रहेलिया सागर भी है। यह कोर्णक के सूर्य मंदिर की हबहू नकल है। यह महोबा शहर से तीन किलो मीटर दूर पश्चिम दिशा में रहेलिया सहित तीन गांवों के बीच में है। यहां तक जाने के लिए सड़क बनी है। सूर्य मंदिर से सौ मीटर पहले सूर्य कुंड बना है, इसमें तीस फीट गहरा पानी है,

नीचे तक जाने के लिए सीढ़ी बनी है।

देवी मंदिर : किवंदती के अनुसार पहले यह छुने पर हिलता था, बाद में इसके चारों ओर डाइल्स और प्लास्टर करा दिया गया। शहर में मनिया देव का मंदिर है। पास में कीरतसागर है, जहां से एक किलोमीटर दूर करिया पठवा गुफा में कजली युद्ध के समय वीर लाखन ने शिवलिंग की स्थापना की थी, यह अभी भी है। शहर के पश्चिम में वनखंडेश्वर मंदिर और भटियाना मोहल में चकौटा देवी मंदिर है, जो चंदेलों के शासन के समय का है।

चरखारी के सप्त सरोवर : चरखारी के सप्त सरोवर मलखान जू देव महाराज ने बनवाए थे। मनोरम छटा के कारण ही चरखारी को मिनी कश्मीर का दर्जा दिया गया। मुख्यालय से करीब 18 किलोमीटर दूर चरखारी के एक किलोमीटर पहले से ही सुंदर तालाब नजर आने लगते हैं। पहला तालाब है गोला तालाब। यह चारों ओर से गोल है। सबसे पहले बस्ती और बारिश का पानी इसी तालाब में आता है। इसके बाद पानी कोठी तालाब में चला जाता है। इस तालाब के पास राजाओं

की कोठी बनी थी, इसलिए इसका नाम कोठी तालाब पड़ा। फिर बंसिया तालाब में पानी भरता है। इसका नाम भगवान गोवर्धन का मंदिर होने के कारण पड़ा। फिर जय सागर तालाब है, इसे राजा जयसिंह ने खोदवाया था। यहां से पानी मलखान सागर में जाता है और फिर रपट तलेया में। रपट तलेया से सारा पानी आगे रतन सागर में जाता है। रतन सागर को राजा रतन सिंह खोदवाया था। प्रत्येक तालाब में चेकडैम हैं। पूरा तालाब में भर जाने के बाद चेकडैम के माध्यम से साफ होकर पानी दूसरे तालाब में जाता है। वहां से अगले तालाब में। सबसे अंत में रतन सागर में पानी जाने से पहले काफी हद तक साफ हो चुका होता है। सातों तालाब का पानी चार से पांच साल तक भी बारिश न हो तो भी सूखता नहीं। पानी की गहराई और लंबाई चौड़ाई का मानक बेहत सुलुलित दिखाई देता है।

प्रसिद्ध खानाघान

माड़ : ग्रामीण क्षेत्र में माड़ पसंद किया जाता है, यह बेसन से चिखल की तरह तवा पर घी से तला

जाता है।
डुबरी : महुआ की सब्जी बनती है, इसे डुबरी कहते हैं।

सन्नाटा : परंपरानुसार सन्नाटा शादी में बरातियों को दिया जाता है। मट्ठा में काली तिली, लाल और हरी मिर्च पीस कर मिलाते हैं। यह बहुत तीखा होता है, ग्रामीण क्षेत्र में पसंद किया जाता है।

पारंपरिक गीत संगीत : हुमराई नृत्य- महोबा में शादी समारोह के समय पुरुष कलाकार स्त्री का रूप धर कर नृत्य करता है। कलाकार 65 वर्षीय पूरन मास्टर बताते हैं, यह कला पूरे बुंदेलखंड में है।

राई नृत्य : इसमें स्त्री व पुरुष तेज-तेज दौड़कर नृत्य करते हैं। यह भी शादी समारोह व होली में होता है। 30 वर्षीय भूपर कलाकार के अनुसार इस कला को और मान मिलना चाहिए।

दीवारी नृत्य- यह केवल दीपावली पर होता है जो एक माह तक चलता है। इसमें लाठी लेकर युवा-युद्ध नृत्य करते हैं।





मकान की छत पर लगे मोबाइल टावर में लगी आग

निसं

जयपुर (नवयत्न)। अजमेर रोड पर पुरानी चुंगी के पास रविवार दोपहर एक मकान की छत पर लगे मोबाइल टावर में अचानक आग लग गई। आग की लपटों के साथ उठते धुए से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। सूचना पर 22 गोदाम अग्निशमन केंद्र से दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। अग्निशमन कर्मियों ने करीब सवा घंटे की मशक़त के बाद आग पर काबू पाया। 22 गोदाम अग्निशमन केंद्र के अग्निशमन अधिकारी के अनुसार, पुरानी चुंगी के पास साहिद खान के मकान की छत पर मोबाइल टावर लगा हुआ है। रविवार दोपहर करीब 12:45 बजे टावर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने टावर की वायरिंग और उपकरणों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया और करीब सवा घंटे बाद आग पर काबू पा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। मकान मालिक के अनुसार, आग से मोबाइल टावर की वायरिंग और उपकरण जल गए, जिससे करीब 10 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की तत्परता से बालिका से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए तैनात कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने तत्परता दिखाते हुए जयसिंहपुरा खोर की सब्जी मंडी में बालिका से छेड़छाड़ के आरोपी को गिरफ्तार करवाया। घटना के दौरान मौके पर मौजूद कर्मियों ने आरोपी को पकड़ रखा था। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस कमिश्नर सचिन मितल ने बताया कि महिलाओं और बालिकाओं के साथ छेड़छाड़ तथा छींटारशी की घटनाओं पर रोकथाम के लिए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रदीप मोहन शर्मा के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त अनुष्ठा कालिया के नेतृत्व में 1090 महिला पीसीआर वैन जेब्रा-17, थाना माणकचौक, गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस नियंत्रण कक्ष से जयसिंहपुरा खोर की सब्जी मंडी में एक युवक द्वारा बालिका से छेड़छाड़ करने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही जेब्रा दल के हेड कांस्टेबल चरन सिंह और कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की महिला कांस्टेबल हंसा व गुलाब मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने आरोपी मुकेश 24, पुत्र खेमचंद वर्मा, निवासी नारायण धाम, जयसिंहपुरा खोर को हिरासत में लेकर स्थानीय थाना पुलिस के सुपुर्द किया। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उपायुक्त अनुष्ठा कालिया ने भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने वाली महिलाओं और बालिकाओं से निर्भया हेल्पलाइन के नंबर मोबाइल में सुरक्षित रखने की अपील की है।

50 लाख की फ़िरौती के लिए अपहरण मामले में एक साल से फरार इनामी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। प्रताप नगर थाना पुलिस ने 50 लाख रुपए की फ़िरौती के लिए अपहरण करने के मामले में एक साल से फरार चल रहे दो हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी पहचान छिपाकर कालवाड़ क्षेत्र में पेंटिंग का काम कर रहा था। पुलिस ने उसे घेराबंदी कर पकड़ा। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि इनामी और वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रताप नगर थानाधिकारी विक्रांत शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। थानाधिकारी विक्रांत शर्मा ने बताया कि मामले में वांछित लोकेश मीणा उर्फविकी 27 निवासी हसनपुरा थाना सदर घटना के बाद से फरार था। पुलिस टीम और सीएसटी को सूचना मिली कि आरोपी कालवाड़ क्षेत्र में एक मकान में रंग-रंगान का काम कर रहा है। इस पर टीम ने मौके पर पहुंचकर जानकारी की पुष्टि की और आरोपी को पकड़ लिया। उसे पहचान छिपाकर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। आरोपी सोडाला और सदर थाना क्षेत्रों के मामलों में भी वांछित है। पुलिस के अनुसार 11 नवंबर 2025 को टीकम सिंह गुर्जर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके बड़े भाई धारा सिंह गुर्जर का कृष्णा अपार्टमेंट, प्रताप नगर के पास से अपहरण कर लिया गया। अपहरणकर्ताओं ने धारा सिंह के साथ मारपीट की और उनके मोबाइल फोन से परिजनों को कॉल कर 50 लाख रुपए की फ़िरौती मांगी। इस मामले में पुलिस पहले ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। उनके कब्जे से एक स्विफ्ट कारए पिस्तौल, देशी कट्टा और कारतूस जब्त किए गए थे।

अवैध रूप से सरकारी चिकित्सकों द्वारा मरीजों को देखने और निजी फर्म को अवैध लाभ पहुंचाने का आरोप

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। राजकीय बगड़िया अस्पताल के सामने काम्प्लेक्स में कथित अवैध रूप से सरकारी चिकित्सकों द्वारा मरीजों को देखने और निजी फर्म को अवैध लाभ पहुंचाने का आरोप लगाते हुए सरकारी चिकित्सकों की शिकायत करने वाले एडवोकेट करणीदान चारण व उनके सहयोगी खोंवदान चारण के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार सुजानगढ़ के निवासी गुरु प्रसाद शर्मा ने पुलिस को बताया है कि उनके मित्र हरि प्रसाद सारडा के भूखंड के मुकदमे में राजीनामा करने के लिए करणीदान चारण अपने एक साथी अधिवका के साथ मेरे कार्यालय पहुंचे। बातचीत के दौरान बात न बनने पर आरोपी आक्रोशित हो गया और उसने जमीन खाली न करने की बात कहते हुए परिव्दाी को गंभीर परिणाम भुगताने की धमकी दी। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि नोटरी की मोहर लगे स्टॉप पत्रों पर करणी दान के सहयोगी खोंवदान चारण द्वारा फर्जी हस्ताक्षर किए जाते हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, जिसकी जांच उपनिरीक्षक पप्पूराम मीणा कर रहे हैं। दूसरी ओर इस मामले को लेकर एडवोकेट करणी दान चारण ने कहा है कि बगड़िया अस्पताल में लपकों व अवैध नर्सिंग होम के खिलाफआवाज उठाने पर रंजिशवश झूठी एफआईआर दर्ज करवाई गई है। चारण ने बताया कि गुरुप्रसाद शर्मा द्वारा वर्ष 2023, 2024, 2025 और 2026 की मंगरूढ़ बातों और पुरानी घटनाओं को बेबुनियाद तरीके से जोड़कर मुकदमा किया गया है। एड. करणीदान चारण ने स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले में यह कार्रवाई केवल ब्लैकमेल करने और दबाव बनाने के उद्देश्य से की गई है। क्योंकि 5 अक्टूबर से मैं राजकीय बगड़िया अस्पताल के पीएमओ को खेतान मार्केट में अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम और अस्पताल परिसर में सक्रिय लपकों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग को लेकर लगातार ज़ापन दे रहा हूं।

इसी से नाराज होकर मेरे खिलाफ यह द्वेषतापूर्ण रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। लेकिन मैं जनहित के साथ समझौता नहीं करूंगा और जनता के निःशुल्क इलाज के हक अधिकार के लिए लगातार संघर्ष करूंगा। चारण ने बताया कि दोषी सरकारी चिकित्सकों पर कार्यवाही करने तथा लपकों की समस्या को दूर किए जाने की मांग को लेकर 18 अक्टूबर से धरना शुरू किया जाएगा और जनता के हक अधिकार की लड़ाई लड़ी जाएगी।

शहर में नवरात्रि महोत्सवों का हुआ शुभारंभ

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। शहर भर में प्रथम नवरात्र के उपलक्ष्य में अनेक जगह घट स्थापना की गई है। सूर्य भगवान मंदिर माली समाज में भव्य कलश यात्रा के साथ माता की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। स्थानीय तिरुपति मंदिर से विशाल कलश यात्रा शुरू हुई, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई सूर्य भगवान मंदिर परिसर पहुंची। यहाँ विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ माता की मूर्ति की स्थापना की गई। मुख्य यजमान राजकुमार बागड़ी और उनकी धर्मपत्नी ने सपरिवार बैठकर पूर्ण भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की। आचार्य पंडित मोहित राज, प्रकाश शास्त्री, कृष्ण शास्त्री और भारती के सानिध्य में सभी धार्मिक कार्य और पूजन विधिवत संपन्न हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में विक्रम सिंह चोबदार, राजकुमार बागड़ी, चंद्रप्रकाश मारोठिया, कमल बागड़ी, रामचंद्र टाक, ओमप्रकाश खडोलिया, अजीत कुमार टाक, सुरज माल पंवार, सत्यनारायण मारोठिया, रमेश,



विजय, दीपाशु पारीक लोगो ने सहयोग किया। इसी प्रकार स्थानीय रेलवे स्टेशन के सामने स्थित सियाराम बाबा की बगीची में रविवार को घट स्थापना एवं मां दुर्गा की प्रतिमा की पूजा-अर्चना के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और परिवार को सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्यामसुंदर दास त्यागी महाराज ने बताया कि नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में

प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सुबह और शाम मां दुर्गा की पूजा-अर्चना एवं आरती होगी। वहीं, प्रतिदिन रात्रि में गरबा एवं डांडिया नृत्य के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर पंडित विष्णु दाधीच, मनीष पारीक ने विधि विधान से पूजा अर्चना करवाई। जिसमें मुख्य यजमान कमल किशोर सैनी व अनिता सैनी ने पूजा अर्चना करके मातारानी के धौक लगाकर देश व प्रदेश में खुशहाली की कामना की। दुर्गा पूजा महोत्सव

के संयोजक मनीष स्वामी ने बताया कि गरबा व डांडिया नृत्य में महिलाएं और बालिकाएं रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर मां भगवती की आराधना में डांडिया व गरबा का आयोजन होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में महेन्द्र कुमार टाक, बृज किशोर सोनी, योगेश शर्मा, आलोक स्वामी, सुनील सोनी, मनीष स्वामी, अमरचंद सेन, मुखारी गोवला, गोल्ड स्वामी, राकेश प्रजापत, धर्माशु टाक, योगेश टाक, प्रेम माली, नवीन प्रजापत, लोकेश टाक आदि जुटे हुए हैं।

भाजपा नेता पन्नालाल सोनी का मरणोपरान्त नेत्रदान

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। लायंस इंटरनेशनल सुजानगढ़ के सहयोग से पार्षद प्रतिनिधि व भाजपा नेता पन्नालाल सोनी के मरणोपरान्त उनके परिजनों ने स्वप्रेरणा से नेत्रदान करवाया है। मानवता और परोपकार की मिसाल पेश करते हुए नया बास निवासी पन्नालाल सोनी के निधन के बाद उनके परिजनों ने नेत्रदान करने का अनुकरणीय निर्णय लिया। नेत्र संग्रह केन्द्र प्राणनाथ होस्पिटल सरदारशहर के तकनीशियन भंवरलाल प्रजापत एवं सहयोगी दिनेश शर्मा, नर्सिंगमर्मी सुभाष चोपड़ा, प्रकाश चोपड़ा ने रात्रि में आकर किया। इस पुनीत कार्य के लिए लायन्स क्लब अध्यक्ष एडवोकेट रजनीकान्त सोनी, डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन विजय एमजेएफकमल तापड़िया, उपाध्यक्ष अशोक जाजू ने प्रेक्षक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कमल तापड़िया



ने बताया कि क्षेत्र में धीरे धीरे नेत्रदान को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है, जोसकारात्मक संकेत है। इस प्रेरणादायक पहल ने यह सिद्ध कर दिया कि मृत्यु के बाद भी इंसान अपने अंगों के माध्यम से दूसरों के जीवन में नई उम्मीद जगा सकता है। एडवोकेट



रजनीकांत सोनी एवं नेत्र संग्रह केंद्र सरदारशहर के समन्वयक गणेश दास ने इस पुनीत कार्य के लिए नेत्रदानी परिजनों को साधुवाद दिया। ताराचंद सोनी, महेश सोनी, प्रदीप सोनी, पूर्व पालिकाध्यक्ष ब्रह्मप्रकाश शर्मा, कृष्ण शंकर शर्मा, नवीन सोनी, मनीष शर्मा, सुरेश सोनी एवं

श्याम सुंदर सोनी भी इस पुनीत कार्य में सहभागी बने।

दूसरी ओर भाजपा नेता पन्नालाल सोनी का रविवार अंतिम संस्कार हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने भाग लेकर उन्हें अपनी अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।

विश्व प्रसिद्ध मूक रामलीला का विधिवत शुभारंभ

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। बिसाऊ की विश्व प्रसिद्ध मूक रामलीला का आज विधिवत शुभारंभ संत बर्फानी बाबा महाराज एवं रविनाथ महाराज के करकमलों से फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोविंदराम वर्मा एवं जगदीश कसेरा उपस्थित रहे। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष, मूक रामलीला कार्यकारिणी के सदस्य एवं अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इनमें भवानीशंकर महंसरिया, राजेन्द्र मिश्रा, श्रीकिशन पारिक, किशन स्वामी एवं देवकीनंदन नहवाल, नरेश बंसल, अधिषेक मिश्र सहित अन्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम में पूजा-अर्चना सुनील शास्त्री द्वारा संपन्न करवाई गई।

बिना संवाद के जीवंत होती है रामायण की कथा

बिसाऊ की मूक रामलीला अपनी अनूठी परंपरा और विशिष्ट मंचन शैली के लिए देश-विदेश में पहचान रखती है। इसमें अन्य कलाकार बिना बोले अभिनय, भाव-भंगिमाओं और



आकर्षक दृश्यों के माध्यम से रामायण की कथा को जीवंत करते हैं। करीब 200 वर्षों से चली आ रही इस ऐतिहासिक परंपरा को बिसाऊ के वरिष्ठ कार्यकर्ता और युवा पीढ़ी निरंतर संजो, हुए हैं। हर वर्ष आयोजित होने वाली इस मूक रामलीला के माध्यम से नगर की सांस्कृतिक



विरासत और धार्मिक आस्था को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा रहा है। मूक रामलीला के विधिवत शुभारंभ के साथ ही नगर में धार्मिक उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम का संचालन बाबू नोवाल ओर कपिलेश शर्मा ने किया।

भाजपा नेताओं ने की पंचायत चुनावों पर चर्चा

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय कार्यालय में पंचायतराज चुनाव सम्बंधित अनेक गांवों की चर्चा कि गई। पंचायत चुनाव के प्रभारी महावीर बंरा ने चुनाव सम्बंधित विषय के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में भाजपा नेट सन्तोष मेघवाल, खेमराम ने विचार रखे। जिला मंत्री पवन महेश्वरी ने कहा सभी को एक होकर चुनाव लड़ना है। बैठक में सभापति मदनलाल गुलेरीया, नोरंगलाल सीलू, महावीर सिंह, प्रहलाद जाखड़,



मुरारी खंडेलवाल, तकाराम मेघवाल, संग्राम, लक्ष्मण सिंह, प्रहलाद सिंह, मुकेश सिंह, संदीप,

बीढारिया, इमरान खान, देवसिंह

कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बुगाला गौशाला में 40 मण मूंगफली का चारा दान, दानदाता का किया सम्मान
बुगाला (नवयत्न)। पण्डित गणेश नारायण सुरभि गौशाला में गौ सेवा का सराहनीय कार्य किया गया है। सुधीर कुमार पुत्र महेंद्र सिंह बुगालिया द्वारा गौ माता के लिए 40 मण मूंगफली का चारा गौशाला में दान किया गया। इस अवसर पर गौशाला सेवा समिति ने दानदाता बुगालिया का आभार व्यक्त किया। समिति के सदस्यों ने कहा कि इस सहयोग से गौशाला में गौवंश के चारे की व्यवस्था में बड़ी सहायता मिलेगी। गौशाला सेवा समिति की ओर से आभार जताया गया।

आरएसएस प्रचारक से कथित मारपीट मामले में थानाधिकारी सहित छह पुलिसकर्मी निलंबित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर ग्रामीण के नरैना थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस के सांभर जिला प्रचारक कृष्णकांत के साथ पुलिसकर्मियों की ओर से कथित मारपीट और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। घटना के बाद उन्हें शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किए जाने पर रविवार सुबह आरएसएस के कई स्वयंसेवक नरैना थाने पहुंचे और विरोध दर्ज कराया। वहीं इस मामले में जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने थानाधिकारी सहित छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू करवा दी है। प्रकरण की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मोणा ने बताया कि नरैना थानाधिकारी उमराव गुर्जर, सहायक उपनिरीक्षक ओंकार और रमेश तथा कांस्टेबल कुलदीप, महिपाल और विनोद के खिलाफलापरवाही को शिकायत मिली है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शिकायत के आधार पर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। सभी छह पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जयपुर ग्रामीण जिला पुलिस लाइन रहेगा और उन्हें नियमानुसार निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मोणा ने बताया कि कृष्णकांत शनिवार शाम नरैना में कहीं से लौट रहे थे। इसी दौरान पुलिस की गश्ती टीम ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और विरोध करने पर मारपीट की। इसके बाद उन्हें थाने ले जाकर शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। घटना की जानकारी मिलने पर रविवार सुबह आरएसएस के कई स्वयंसेवक नरैना थाने पहुंचे और विरोध जताया। सांभर वृत्ताधिकारी मुकेश जोशी और फुलेरा के पूर्व विधायक निर्मल चौधरी भी थाने पहुंचे। उन्होंने मामले को लेकर संबंधित पक्षों से बातचीत कर स्थिति शांत करने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस मामले की जांच जारी है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आजीवन कारावास की सजा काट

रहा 11 साल से फरार बंदी गिरफ्तार

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। बिसाऊ थाना पुलिस ने वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 11 साल से फरार चल रहे एक बंदी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी देवी सिंह आजीवन कारावास की सजा से संबंधित मामले में फरार चल रहा था। उसे 11 अक्टूबर को बिसाऊ बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया।

पंचायत चुनाव के महेनजर चलाया जा रहा अभियान

पुलिस अधीक्षक झुंझुनू कावेंद्र सिंह सागर के निर्देशानुसार जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र राजावत के निर्देशन तथा झुंझुनू ग्रामीण वृत्ताधिकारी के सुपरविजन में बिसाऊ थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। थानाधिकारी सीआई उमाशंकर शर्मा के नेतृत्व में हाट टीम ने आरोपी देवी सिंह पुत्र शीशपाल, निवासी महनसर, गलत निवासी बिसाऊ, जिला झुंझुनू को गिरफ्तार किया।

बस स्टैंड पर मौजूद होने की गिली सूचना

पुलिस के अनुसारए 11 अक्टूबर को सूचना मिली कि झुंझुनू कोतवाली में दर्ज प्रकरण संख्या 236/2016 में दंडित आरोपी देवी सिंह स्थायी गिरफ्तारी वारंट के तहत फरार है। उसके बिसाऊ बस स्टैंड से कहीं जाने की फिराक में होने की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की और उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए झुंझुनू कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

कार्रवाई में शामिल रही पुलिस टीम

इस कार्रवाई में थानाधिकारी उमाशंकर शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक रघुवीरए हेड कांस्टेबल अनिता तथा कांस्टेबल नरेंद्र, मुकेश कुमार और विकास शामिल रहे।

नारद मोह लीला मंचन के साथ रामलीला का आगाज

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। कस्बे के पुराने बस स्टैंड पर श्रीरघुनाथ कला केंद्र श्रीमाधोपुर के कलाकारों द्वारा आदर्श रामलीला मंचन का श्रीगणेश हुआ। कला केंद्र के अध्यक्ष बुद्धिप्रकाश जोशी ने बताया कि मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष शांति देवी सैनी ने फीता काट कर रामलीला का श्रीगणेश किया। फिर भगवान विष्णु व लक्ष्मी की आरती कर मंत्रोच्चार के साथ रामलीला का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष बुद्धिप्रकाश जोशी ने बताया कि भगवान श्रीराम सभी के आराध्य है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी में धार्मिकता बढ़ती है। सोनू गोठवाल ने बताया कि पहले दिन नारद मोह की लीला एवं शिव-पार्वती संवाद का मंचन हुआ। रामलीला की तैयारी में बदनारायण महर्षि, प्रभुदयाल सैनी, सुरेश कसेरा, मुकेश पारीक, मुकुल सारस्वत, महावीर ठठेरा, मुकेश कुमार शर्मा, परमेश्वर, महावीर ठठेरा द्वितीय, सुनील पारीक, नीलेश कुदाल, लक्ष्मी जोशी व अनिल कुलवाल सहित अनेक रामलीला के कलाकार लगे हुए हैं। सोनू गोठवाल ने बताया कि रामलीला के भव्य मंचन के लिए सबकी सहभागिता आवश्यक है।

विश्व गठिया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आज

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। विश्व गठिया दिवस के अवसर पर सोमवार को दोपहर 12 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी खारचिरावास में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में आमजन को गठिया रोगों के लक्षण, समय पर पहचान, उपचार और बचाव के उपायों का जानकारी दी जाएगी। इस वर्ष की थीम अचीव योर्स ड्रीम अपने सपनों को साकार करें है। कार्यक्रम में एमडी मेडिसिन डॉ. किशन मेहरड़ा एवं फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सुरेश यादव ऑस्टियोआर्थराइटिस और रूमेटॉइड आर्थराइटिस सहित विभिन्न गठिया रोगों के लक्षणों, उपचार और बचाव के बारे में जानकारी देंगे। साथ हीए रोगों की शुरुआती पहचान और समय पर उपचार के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। सीएससी प्रभारी डॉ. सुनील धावल ने आमजन से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त करें और इसका लाभ उठाएं।

खाटूश्यामजी में हुआ ऐतिहासिक फिल्म खाटू 1779 का भव्य शुभारंभ

संतों के त्याग और बलिदान पर आधारित है फिल्म की पटकथा



निसं

खाटूश्यामजी (नवयत्न)। विश्व प्रसिद्ध श्याम बाबा की पवित्र धरा खाटूश्यामजी में रविवार का दारुपंथी स्थान रणखेत में श्री कृष्ण के वरदानी, शीश के दानी बंबरीक के कलयुग अवतारी स्वामी मंगलदास महाराज की जीवनी पर आधारित भव्य ऐतिहासिक फिल्म खाटू 1779 का सनराइज सिनेविजन द्वारा शुभारंभ मुहूर्त किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शुरुआत रामप्रकाशदास महाराज गद्दी अखिल भारतीय नागा प्रभान पीठ श्री दादूद्वारा जयपुर के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। कार्यक्रम में संतों के सानिध्य में बीबीसी युनिवर्स, फिल्म कलयुग का कान्हा और ताल से ताल मिला

गरबा पोस्टर विमोचन भी किया गया। इसी के साथ दादू पंथी स्थान रणखेत में आगामी 15 जनवरी 2027 से 24 जनवरी 2027 तक आयोजित होने वाले नवदिवसीय महायज्ञ का ध्वजरोहण किया गया। विनोद भारती ने फिल्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि खाटू 1779 मात्र एक फिल्म नहीं, बल्कि खाटू की पवित्र भूमि पर धर्म, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए लड़े गए उस ऐतिहासिक महायुद्ध की जीवंत दास्तान है, जिसने इतिहास को धारा बदल दी थी। फिल्म में विनोद भारती मंगलदास स्वामी बाबा की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म दादू पंथी नागा सेना के सेनापति महान संत मंगलदास स्वामी महाराज के त्याग, तपस्या और उनके गौरवशाली वीर गाथा को पर्दे पर उकेरेगी।

जीण माताजी मंदिर, माताजी की ढाणी आस्था, शक्ति एवं चमत्कारों का पावन धाम

निसं

नवलगढ़ (नययत्न)। राजस्थान के झुंझुनू जिले के नवलगढ़ क्षेत्र में स्थित माताजी की ढाणी का श्री जीण माताजी मंदिर श्रद्धा, भक्ति एवं जनआस्था का एक विशिष्ट केंद्र है। झुण्डलोद वाली माताजी के नाम से प्रसिद्ध माँ जीण का यह भव्य मंदिर माँ आदिशक्ति दुर्गा की महिमा, भक्तों की अटूट श्रद्धा तथा प्राचीन धार्मिक परंपराओं का प्रतीक है। यहाँ प्रतिवर्ष दूर-दूर से श्रद्धालु माँ के दर्शन करने, पूजा-अर्चना करने और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए आते हैं।

माँ जीण माताजी के प्रकट होने की मान्यता

स्थानीय धार्मिक मान्यताओं एवं प्रचलित परंपरा के अनुसार माँ जीण माताजी का झण्डलोद में प्राकट्य विक्रम संवत् 1968 में प्रथम परम पूज्य पुजारी बिरधी चंद को हुए दिव्य साक्षात्कार से जुड़ा है। मान्यता है कि एक घनघोर वर्षा वाली रात्रि में माँ आदिशक्ति ने सिंह पर सवार होकर उन्हें दर्शन दिए और अपनी सेवा-पूजा करने का आदेश दिया। प्रारंभ में पारिवारिक परिस्थितियों एवं साधनों के अभाव के कारण बिरधी चंद अपनी आराधना को सार्वजनिक रूप नहीं दे सके। कालांतर में अनेक चमत्कारिक घटनाओं और जागरणों से जुड़ी लोकमान्यताओं के माध्यम से माँ की महिमा दूर-दूर तक फैलने लगी। विक्रम संवत् 1968 में एक जागरण के दौरान बिरधी चंद के माध्यम से माँ भगवती की दिव्य वाणी प्रकट होने की मान्यता ने भक्तों की



श्रद्धा को और दृढ़ किया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के सहयोग से माँ की पूजा-अर्चना के लिए मंदिर का निर्माण हुआ और माँ की मूर्ति स्थापित की गई। भक्तों की बढ़ती आस्था के साथ यह स्थान धीरे-धीरे एक प्रमुख धार्मिक केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित होने लगा। प्रचलित मंदिर-परंपरा के अनुसार, नवलगढ़ के तत्कालीन ठाकुर कल्याण सिंह ने माँ भगवती के प्रति अपनी श्रद्धा एवं संकल्प के अनुरूप माताजी की ढाणी में एक भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। विक्रम संवत् 1976 में माँ जीण माताजी की मूर्ति को वर्तमान मंदिर में स्थापित किए जाने की परंपरागत कथा प्रचलित है। इस प्रकार माताजी की ढाणी का यह पावन स्थल माँ आदिशक्ति की आराधना का प्रमुख धाम बन गया। मंदिर में माँ को आदिशक्ति, जगदम्बा, भवानी एवं दुर्गा के स्वरूप में पूजा जाता है। सिंहवाहिनी माँ अपने भक्तों की रक्षा करने वालीए संकटों का निवारण करने वाली तथा

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में सजेगा विचारों का महाकुंभ

नोबेल पुरस्कार विजेताओं सहित जुटेंगी दुनिया की नामचीन हस्तियां

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के ऐतिहासिक 20वें संस्करण के लिए वक्ताओं की पहली सूची जारी कर दी गई है। जनवरी 2027 में जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय समारोह में नोबेल पुरस्कार विजेताओं से लेकर प्रतिष्ठित लेखकों, वैज्ञानिकों, इतिहासकारों, पत्रकारों, शिक्षाविदों और कलाकारों तक की भागीदारी रहेगी। वेदांता की प्रस्तुति में आयोजित होने वाला यह महोत्सव साहित्य और विचारों के दो दशकों के सफ़र का उत्सव मनाएगा। पहली सूची में नोबेल पुरस्कार विजेता एस्मर डुफ्लो और ओल्गा टोकार्चुक के साथ डेम मीरा सयाल, लीज डूसे, जेम्स वुडए इसाबेला हम्माद, मार्कस डू सांटॉय और जीवाशम विज्ञानी स्टीव ब्रूसेट सहित कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां शामिल हैं। भारतीय वक्ताओं में सुधा मूर्ति, किरण मजूमदार-शां, प्रबल गुरुंग, जस्टिस संजय किशन कौल, इंदिरा प्रयसिंह, एसवाई कुरैशी, गीतांजलि श्री और अनामिका प्रमुख हैं। फेस्टिवल में हिंदी, तमिल, मलयालम, असमिया, कोंकणी, कन्नड़, मराठी, भोजपुरी, सिंधी और मणिपुरी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं की साहित्यिक परंपराओं को प्रमुखता दी जाएगी। संस्कृत के विद्वान राधावल्लभ त्रिपाठी, असमिया लेखक ध्रुवज्योति बोरा, मराठी नाटककार मकरंद साठे, कोंकणी लेखक दामोदर मौजो, मलयालम साहित्यकार पॉल जकारिया, कन्नड़ लेखक वसुंधे्र, हिंदी-भोजपुरी के लेखक गौतम चौबे, गुजराती

● जनवरी 2027 में व्लावर्स आमेर में होगा पांच दिवसीय आयोजन

● साहित्य, विज्ञान, इतिहासए राजनीति और कला पर होंगे संवाद

लेखक राम मोरी और तमिल-मलयालम के लेखक बी. जयमोहन भी वक्ताओं की सूची में शामिल हैं। फेस्टिवल में विज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास, तकनीक, कानून, लोकतंत्र, प्रवासन, पहचान और सामाजिक असमानता जैसे विषयों पर चर्चा होगी। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर मार्कस डू सांटॉय और जीवाशम विज्ञानी स्टीव ब्रूसेट विज्ञान से जुड़े विषयों पर विचार रखेंगे। वहीं, प्रदर्शन कला, लोकप्रिय संस्कृति और फैशन की दुनिया से डेम मीरा सयाल तथा प्रबल गुरुंग को भागीदारी का हिस्सा होंगे। टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंध आयोजन को विविधता प्रदान करेगी। जादूगर और किस्सागो इमंड मनी-कुट्स भी फेस्टिवल का हिस्सा होंगे। टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंध निदेशक संजॉय के रांय ने कहा कि दो दशक बाद भी फेस्टिवल की मूल भावना सभी के लिए खुला मंच उपलब्ध कराना है, जहां अलग-अलग विचार मिलें और नई बातचीत की शुरुआत हो। उन्होंने कहा कि यहां युवा

फिल्म के निर्माता निदेशक अनुराग शर्मा, प्रबंधक निदेशक अक्षय कुमार शर्मा, प्रबंध सहायक निदेशक विनोद भारती एवं महिपाल सिंह सुतलिया होंगे। इस फिल्म की पटकथा लेखन पर दशरथ उपाध्याय द्वारा कार्य किया जा रहा है।

खाटू 1779 फिल्म के शुभारंभ पर रोजड़ा प्रोडक्शन हाउस, जैसे नामी प्रोडक्शन हाउस के साथ मुंबई फिल्म जगत से सागर दहिया, अमित सक्सेना, गौरव शर्मा, प्रदीप और बलजीत गोस्वामी ने शिरकत की। फिल्म की घोषणा के बाद से ही न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के इतिहास प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। रणखेत में शुभारंभ समारोह को भव्य बनाने के लिए साधु संतों के साथ सभी कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

चेयरपर्सन परवीन नौशाद सिसोदिया एवं ईओ हरेंद्र चौधरी की पहल शहर के प्रमुख मार्गों को साफ-सुथरा बनाने की दिशा में नगर पालिका की कार्रवाई



निसं

लाडनू (नवयत्न)। शहर की सड़कों को साफ सुथरा और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका प्रशासन ने अभियान शुरू किया है। नगर पालिका चेयरपर्सन परवीन नौशाद सिसोदिया एवं अधिशाषी अधिकारी हरेंद्र चौधरी के दिशा-निर्देश पर शहर के सभी हाईवे एवं बाईपास मार्गों के किनारे उगी कंटोली बबूल की झाड़ियों को काटने का कार्य किया जा रहा है। लंबे समय से सड़क किनारे उगी कंटोली झाड़ियां मार्गों की सुंदरता को प्रभावित करने के साथ ही वाहन चालकों एवं राहगीरों के लिए भी परेशानी का कारण बनती हैं। विशेषकर हाईवे और बाईपास मार्गों पर झाड़ियों की अनियंत्रित वृद्धि से सड़क किनारे की जगह प्रभावित होती है। ऐसे में नगर पालिका द्वारा इन झाड़ियों की कटाई करवाकर मार्गों को व्यवस्थित करने की पहल की गई है।

स्वच्छता और बेहतर व्यवस्था पर जोर-नगर पालिका द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों को झाड़ियों से मुक्त कर स्वच्छ किया जा रहा है। हाईवे और बाईपास मार्गों पर साफ सफाई होने से शहर की सुंदरता में भी निखार आएगा। साथ ही सड़क किनारे अनावश्यक रूप से फैली कंटोली झाड़ियों से होने वाली परेशानियों में कमी होने की उम्मीद है।

माँ गायत्री री ढाणी में नवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ

नौ दिनों तक होंगे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन



निसं

लाडनू (नवयत्न)। शहर के पाबोलाव मैदान क्षेत्र स्थित गायत्री नगर की माँ गायत्री री ढाणी में रविवार को शारदीय नवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ श्रद्धा एवं उल्लास के साथ हुआ। सुबह करीब सवा 11 बजे माँ दुर्गा की प्रतिमा माँ गायत्री री ढाणी परिसर में पहुंची। इसके पश्चात ढाणी की संस्थापिका डॉ ईशा गुर्जर के नेतृत्व में गायत्री नगर के प्रवेश द्वार से माँ गायत्री री ढाणी तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में श्री बापूजी रूग्प ऑफ एजुकेशन, लाडनू के स्टॉफ सक्सेस, विद्यार्थी, गायत्री नगर में कार्यरत कार्यकर्ता, महिला कर्मचारी एवं अन्य श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा के माँ गायत्री री ढाणी पहुंचने पर बीकानेर से आए पंडित नितिन के सान्निध्य में विधि-विधानपूर्वक माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना संपन्न करवाई गई।

नौ दिनों तक होंगे विविध धार्मिक आयोजन

ढाणी की संस्थापिका डॉ ईशा गुर्जर ने बताया कि नवरात्रि के नौ दिनों में माँ गायत्री री ढाणी में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें गरबा एवं डांडिया, सुंदरकांड पाठ, यज्ञ तथा माता के जीवन और महिमा पर आधारित धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल होंगी। इन आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धार्मिक आस्थाए भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर श्री बापूजी रूग्प ऑफएजुकेशन, लाडनू के प्रबंध निदेशक डॉ आमप्रकाश गुर्जर, प्राचार्य डॉ गौतम उपाध्याय, हितेश शर्मा, गोपाल गुर्जर, नोतू वीर गुर्जर, सुनीता जोषिड़, मोहनराम छपुनिया, भागीरथ स्वामी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डेब्यू रणजी मैच में शतक से चूके रोहन राजभर

राजस्थान ने पहले दिन बनाए 231 रन



निसं

जयपुर (नवयत्न)। सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान और तमिलनाडु के बीच खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी एलीट मुकाबले के पहले दिन राजस्थान ने तीन विकेट पर 231 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान की शुरुआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज सयाद एक रन बनाकर पी. सरवणा कुमार की गेंद पर पागबधा आउट हो गए। शुरुआती झटके के बाद रणजी ट्रॉफी में पदार्पण कर रहे रोहन राजभर ने सुमित गोदारा के साथ पारी को संभाला। रोहन ने 220 गेंदों पर 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 95 रन बनाए। उन्होंने धैर्य और आक्रामकता का शानदार परिचय देते हुए तमिलनाडु के अनुभवी गेंदबाजों का सामना किया। हालाँकि, वह अपने पदार्पण मुकाबले में शतक पूरा करने से महज पांच रन दूर रह गए। सुमित गोदारा ने 49 रन बनाकर रोहन का अच्छा साथ दिया। तमिलनाडु की ओर से पीण सरवणा कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने राजस्थान के तीनों विकेट हासिल किए। दिन का खेल समाप्त होने तक करण ल्हाबा 96 गेंदों पर 79 रन बनाकर नाबाद थे, जबकि महिपाल लोमरोर बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद थे। राजस्थान ने पहले दिन तीन विकेट के नुकसान पर 231 रन बना लिए हैं। अब दूसरे दिन टीम की नजर बड़े स्कोर की ओर बढ़ने पर रहेगी।